www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 288 || लखनऊ
बुधवार
21 जनवरी 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:56
सूर्यास्तः 05:40
अधिकतमः 22°00
न्यूनतमः 09°00

» पेज 03

विशेष समाचार | महाराष्ट्र चुनाव ने क्या संदेश दिया है ... » पेज 02 | हजरतगंज चौराहे पर डायवर्जन से ... » पेज 04 | तलाक की खबरों पर नेहा ने तोड़ी चुप्पी ...

नितिन नबीन बने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

साधारण कार्यकर्ता को असाधारण सम्मान मिला, मोदी बोले- अब वे मेरे बॉस

जीत

तमसा संकेत, एजेंसी

नितिन नबीन मंगलवार को भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए। नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में उनके नाम का ऐलान किया गया। वे 14 दिसंबर 2025 को कार्यकारी अध्यक्ष बने थे। सोमवार को फुल टाइम अध्यक्ष पद के लिए इकलौता नामांकन आने पर वे निर्विरोध चुने गए। कार्यक्रम में PM मोदी ने उन्हें माला पहनाई, फिर 55 मिनट के भाषण में कहा, 'मैं BJP का कार्यकर्ता हूं। मैं मानता हूं कि नितिनजी मेरे बॉस हैं। अब वे मेरे काम का आकलन करेंगे।' बतौर अध्यक्ष नितिन नबीन ने पहले भाषण में कहा, 'राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मेरा निर्वाचन एक साधारण कार्यकर्ता की असाधारण यात्रा को मिला सम्मान है।' मोदी ने कहा, 'मैं देशभर के कार्यकर्ताओं का इसे सफल बनाने के लिए अभिनंदन करता हूं। साथियों से बीते एक डेढ़ साल में श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अटल जी की 100वीं जयंती, संघ की 100वीं जयंती हम मनाते रहे हैं। ये वो प्रेरणाएं हैं जो देश के लिए जीने के हमारे संकल्प को और मजबूत करती हैं। हमारा नेतृत्व परंपरा से चलता है, अनुभव से समृद्ध होता है और राष्ट्र सेवा के भाव से संगठन को आगे बढ़ाता है।' मोदी ने कहा, 'बीते कई महीनों से संगठन पर्व यानी कि पार्टी का छोटी सी ईकाई से लेकर अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया सौ प्रतिशत लोकतांत्रिक तरीके से चुनने की भारतीय जनता पार्टी के संविधान की आत्मा और उसमें बताई गई हर बात को ध्यान में रखकर चल रही है। पीएम मोदी ने कहा-'भारतीय जनता पार्टी के नवीन अध्यक्ष नितिन नबीन जी, हमारे पूर्व अध्यक्ष जेपी नड्डा जी, भाजपा परिवार के वरिष्ठजन देशभर से आए साथी, सबसे पहले नितिन जी को दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल का अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई शुभकामनाएं देता हूं।

» (शेष पेज 04 पर)

भाजपा मुख्यालय में नितिन ने पीएम मोदी से मुलाकात की।

पीएम ने कहा- मैं एक लाख युवाओं को राजीनिति में लाना चाहता हूं

पीएम मोदी ने कहा, 'साथियों देश के लिए परिवारवाद बहुत बड़ा अभिशाप है। जब मैं यह कहता हूं तो अर्बन नक्सल मैदान में आ जाते हैं। वे कहते हैं फलाने का बेटा बेटी, हम किसी की प्रतिभा के विरोधी नहीं है। दुर्भाग्य से कांग्रेस में एक के बाद एक उनके परिवार के अध्यक्ष ही बनते हैं। पार्टी के कार्यकर्ता को उनके विचार से कोई लेना देना नहीं। ये लोकतंत्र के लिए खतरनाक हैं। परिवारवाद की राजनीति ने देश के युवाओं के लिए राजनीति में आने के रास्ते बंद कर दिए हैं। इसलिए मैं एक लाख ऐसे युवाओं को राजीनिति में लाना चाहता हूं जिनके परिवार से वे पहली बार राजनीति में आएंगे।'

पीएम ने कहा- आने वाले 25 साल बहुत महत्वपूर्ण हैं

मोदी ने कहा, नितिन नबीन जी, हम सभी के अध्यक्ष हैं। उनका दायित्व भाजपा को संभालना नहीं है, NDA के साथ भी तालमेल का दायित्व देखना होता है। नितिनजी के संपर्क में जो भी आया है वो उनकी सरलता सहजता की चर्चा जरूर करता है।

> पीएम ने कहा, 'दुनिया के बड़े देश भी अपने यहां घुसपैठियों की जांच कर रहे हैं, लेकिन कोई उनको नहीं पूछ रहा है। दुनिया में कोई अपने देश में घुसपैठियों को स्वीकार नहीं करता। भारत भी घुसपैठियों को देश को लूटने नहीं दे सकता। वे देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं। उनकी पहचान करके उन्हें उनके देश भेजना जरूरी है। जो राजनीतिक दल उन्हें बचा रहे हैं, उन्हें जनता के सामने एक्सपोज करना होगा। एक और बड़ी चुनौती अर्बन नक्सल की भी है। अर्बन नक्सल का दायरा इंटरनेशनल हो रहा है। हमें इन्हें भी हटाना होगा।'

मोदी की स्पीच में 5 बड़ी बातें

- **कांग्रेस अपने पतन की जिम्मेदारः** 'आज देश को याद भी नहीं होगा कि 1984 में कांग्रेस को 400 से अधिक सीटें मिली थीं और देश ने कांग्रेस को करीब-करीब 50% वोट दिया था, लेकिन आज कांग्रेस 100 सीटों के लिए तरस गई है। कांग्रेस अपने इस घनघोर पतन की कभी समीक्षा नहीं करती, क्योंकि अगर समीक्षा करेंगे और पतन के कारणों पर जाएंगे तो उसी परिवार पर सवाल उठेंगे, जिस परिवार ने कांग्रेस पर कब्जा कर रखा है। और इसलिए बहाने ढूंढते रहते हैं। पतन का सही कारण ढूंढने की हिम्मत तक खो चुके हैं। जो कांग्रेस की बुराइयों से बचेगा, वही देश में आगे बढ़ेगा।'
- **घुसपैठियों को देश लूटने नहीं देगाः** 'आज देश के सामने बहुत बड़ी चुनौती घुसपैठियों की है। दुनिया के समर्थ देश भी अपने देश में घुसपैठियों की जांच पड़ताल कर रहे हैं और उनको पकड़-पकड़ कर निकाल रहे हैं। दुनिया में कोई अपने देश में घुसपैठियों को स्वीकार नहीं करता, भारत भी घुसपैठियों को अपने गरीबों, युवाओं के हक लूटने नहीं दे सकता। घुसपैठिए देश की सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा है, उनकी पहचान करके उन्हें वापस उनके देश भेजना बहुत जरूरी है। इसके अलावा ऐसे राजनीतिक दल जो वोट बैंक की राजनीति में घुसपैठियों को बचा रहे हैं, उन्हें हमें पूरी शक्ति से जनता के सामने बेनकाब करना होगा।'
- **महाराष्ट्र नतीजों ने बताया भाजपा पहली पसंदः** 'भाजपा सिर्फ संसद और विधानसभा की ही नहीं, बल्कि नगरपालिकाओं और नगर निगमों में भी पहली पसंद है। इसका ताजा उदाहरण महाराष्ट्र है। भाजपा, महाराष्ट्र के स्थानीय निकायों में नंबर वन पार्टी बनी है। कुल 29 में से 25 बड़े शहरों की जनता ने भाजपा-एनडीए को चुना है। कुल जितने पार्षद जीते हैं, उनमें से 50% भाजपा के हैं। ऐसे ही केरल में भाजपा के करीब 100 पार्षद हैं। ऐसे ही तिरुवनंतपुरम की जनता ने मेयर चुनाव में 45 साल बाद लेफ्ट से सत्ता छीनी और भाजपा पर भरोसा किया।'
- **पिछले डेढ़ साल में जीते 4 राज्यों में चुनावः** 'बीते डेढ़-दो वर्षों में भाजपा पर जनता का भरोसा और मजबूत हुआ है। विधानसभा हो या स्थानीय निकाय, भाजपा की स्ट्राइक रेट अभूतपूर्व रही है। इस दौरान देश में 6 राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए हैं, इनमें से 4 चुनाव भाजपा-एनडीए ने जीते हैं।'
- **भाजपा की परंपरा मेंबरशिप से ज्यादा रिलेशनशिप अहमः** 'भाजपा एक संस्कार है। भाजपा एक परिवार है। हमारे यहां 'मेंबरशिप' से भी ज्यादा 'रिलेशनशिप' होती है। भाजपा एक ऐसी परंपरा है, जो पद से नहीं प्रक्रिया से चलती है। हमारे यहां पदभार एक व्यवस्था है और कार्यभार जीवन भर की जिम्मेदारी है। हमारे यहां अध्यक्ष बदलते हैं, लेकिन आदर्श नहीं बदलते। नेतृत्व बदलता है लेकिन दिशा नहीं बदलती।'

नितिन नबीन की ओर से कुल 37 सेट नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे।

19 जनवरी को नामांकन भरा, निर्विरोध चुने गए

इससे पहले 19 जनवरी को दिल्ली में पार्टी हेडक्वार्टर में नॉमिनेशन प्रक्रिया की गई। पार्टी के राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी डॉ. के. लक्ष्मण ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए केवल नितिन नबीन का ही नाम प्रस्तावित हुआ था। नितिन नबीन के समर्थन में कुल 37 सेट नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे। नामांकन पत्रों की जांच की गई, जिसमें सभी वैध पाए गए। बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष अपनी पहली स्पीच में नितिन ने कहा- भाजपा के कार्यकर्ता कुछ नारों को जनसंघ के समय से गढ़ते थे- राम लला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे, जहां हुए बलिदान मुखर्जी वह कश्मीर हमारा है, एक देश में दो विधान, दो निशान, दो प्रधान नहीं चलेगा।

हमारी टिप्पणियां मजाक नहीं: सुप्रीम कोर्ट

मौत मामले में डॉग फीडर्स भी जिम्मेदार, हर जगह स्थानीय प्रशासन फेल

टिप्पणी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आवारा कुत्तों के हमलों पर सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा, 'आवारा कुत्तों के किसी हमले में चोट या मौत होती है, तो नगर निकाय के साथ ही डॉग फीडर्स की जिम्मेदारी भी तय की जा सकती है।' कोर्ट ने कहा- पिछली सुनवाई की हमारी टिप्पणियों को मजाक समझना गलत होगा। हम गंभीर हैं। कोर्ट जिम्मेदारी तय करने से पीछे नहीं हटेगा क्योंकि मौजूदा व्यवस्था में स्थानीय प्रशासन की विफलता सामने आई है। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की बेंच ने कहा- कोर्ट निजी पक्षों की दलीलें पूरी करके आज ही सुनवाई खत्म करना चाहती है। इसके बाद राज्यों को एक दिन का मौका दिया जाएगा। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी के वकील राजू रामचंद्रन से सवाल किया कि आप कोर्ट को संयम बरतने का कह रहे है, लेकिन क्या आपने देखा है।

» (शेष पेज 04 पर)

अविमुक्तेश्वरानंद से प्रशासन ने शंकराचार्य होने का सबूत मांगा

जवाब- राष्ट्रपति भी शंकराचार्य तय नहीं कर सकते

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। मौनी अमावस्या पर रथ रोके जाने और शिष्यों से मारपीट से नाराज शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद तीन दिन से धरने पर बैठे हैं। प्रयागराज के माघ मेला प्रशासन ने उनसे 24 घंटे में शंकराचार्य होने का सबूत मांगा। इस पर अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा– शंकराचार्य कौन होगा, ये सिर्फ शंकराचार्य ही तय कर सकते हैं, इसे तय करने का अधिकार राष्ट्रपति को भी नहीं है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के कंधे पर बंदूक रखकर जो गलती प्रशासन से हुई है, उसको ये लोग पीछे करना चाह रहे। सुप्रीम कोर्ट का गलत हवाला देकर ये लोग कब तक बच पाएंगे? खुद सरकार ने महाकुंभ में एक पत्रिका छापी थी, उसमें मुझे शंकराचार्य बताया था। ज्योतिषपीठ में शंकराचार्य पद का मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। कोर्ट ने 14 अक्टूबर, 2022 को आदेश दिया था कि जब तक इस केस का अंतिम फैसला नहीं हो जाता, तब तक किसी को भी शंकराचार्य घोषित नहीं किया जा सकता, न ही किसी का पट्टाभिषेक किया जा सकता है। कोर्ट ने इस पद पर किसी को बैठाने पर रोक लगाई है।

» (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

आतंकवादियों की तलाश तीसरे दिन भी जारी

किश्तवाड़। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में सुरक्षा बल लगातार तीसरे दिन भी आतंकियों की तलाश में जुटे हुए हैं। इसी बीच जवानों ने आतंकियों के एक ठिकाने को खोज निकाला। इसमें भारी मात्रा में राशन और सामान जमा था। पत्थरों से बनाए गए इस हाइड आउट को तिरपाल से छिपाया गया था। इसमें गैस सिलेंडर, चूल्हा, चावल, गेहूं का आटा, मसाले, इंस्टेंट नूडल्स, अधपके अंडे और ताजी सब्जियां मौजूद थीं।

कर्नाटक के डीजीपी लेवल के अधिकारी रामचंद्र राव सस्पेंड

बेंगलुरु। कर्नाटक पुलिस के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस DGP (सिविल राइट्स एनफोर्समेंट) को सस्पेंड कर दिया गया है। सोमवार (19 जनवरी) को उनका एक अश्लील वीडियो सामने आया था, जिसके बाद सरकार ने उनके खिलाफ कार्रवाई की है। वायरल वीडियो में DGP के. रामचंद्र राव कई महिलाओं के साथ आपत्तिजनक हालत में दिख रहे थे। वीडियो सामने आने के बाद CM सिद्धरमैया ने कहा था कि अगर अधिकारी दोषी पाए गए तो कार्रवाई की जाएगी। वीडियो वायरल होने के बाद DGP गृह मंत्री जी परमेश्वर से मिलने पहुंचे लेकिन उनकी मुलाकात नहीं हो सकी। गृहमंत्री के घर से निकलने के बाद DGP ने पत्रकारों से कहा था कि वीडियो झूठा और मॉर्फ्ड है।

कारोबारी के घर 40 मिनट तक लूट

गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी में सोमवार देर रात 4 नकाबपोश बदमाशों ने बंदूक और चाकू के बल पर एक बिजनेसमैन के घर में लूटपाट की। पूरी घटना CCTV कैमरों में कैद हो गई। पुलिस के मुताबिक यह घटना कारोबारी अनिल डेका के घर पर हुई। चार लुटेरे सफेद मारुति सुजुकी स्विफ्ट कार में आए थे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने कारोबारी की पत्नी और ड्राइवर को बंधक बनाया और करीब 40 मिनट तक घर में लूटपाट की।

सभी राज्यों की एसआईआर प्रोसेस अलग : चुनाव आयोग

जिनके नाम कटे, उनकी शिकायते नहीं मिली

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन(SIR) प्रक्रिया में जिनके नाम कटे हैं, अभी तक किसी की तरफ से कोई शिकायत नहीं मिली है। SIR की सुनवाई के दौरान आयोग ने कहा कि पश्चिम बंगाल जैसे किसी एक मामले के तथ्यों को उठाकर उन्हें किसी दूसरे राज्य की SIR प्रक्रिया पर लागू करना गलत होगा, क्योंकि हर जगह प्रक्रिया अलग रही है। आयोग ने जबरदस्ती या अत्यधिक जांच के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर पुलिस शामिल नहीं थी। केवल BLO ने ही घर घर जाकर प्रक्रिया पूरी की है। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के 1.25 करोड़ वोटर्स को अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाने के लिए एक और मौका दिया। कहा कि वे 10 दिन

में अपने डॉक्यूमेंट्स चुनाव आयोग को पेश करें। कोर्ट ने कहा चुनाव आयोग गड़बड़ी वाली वोटर लिस्ट ग्राम पंचायत भवन, ब्लॉक कार्यालय और वार्ड कार्यालय में सार्वजनिक तौर पर लगाए, ताकि लोगों को पता चल सके। चुनाव आयोग ने SC में कहा था- SIR के तहत आयोग सिर्फ यह तय करता है कि कोई व्यक्ति वोटर लिस्ट में रहने के योग्य है या नहीं। इससे सिर्फ नागरिकता वेरिफाई की जाती है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला बोले- विधायिकाओं में नवाचार और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा जरूरी, एआई से बढ़ेगी कार्यकुशलता

86वें आईपीओसी के दूसरे दिन विधायी सुधार, तकनीक और जवाबदेही पर गहन मंथन

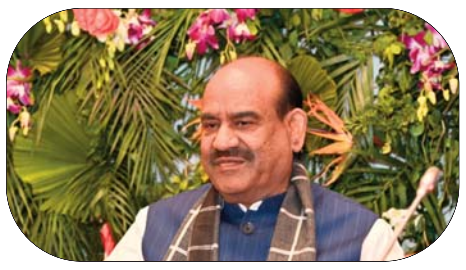

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/लखनऊ। लखनऊ में आयोजित 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन (AIPOC) के दूसरे दिन देश की विधायिकाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनोन्मुखी बनाने को लेकर व्यापक विचार-विमर्श हुआ। सम्मेलन में विधायी प्रक्रियाओं में तकनीक के उपयोग से लेकर जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही तक के विषयों पर गहन चर्चा की गई। इन सत्रों में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला की गरिमामयी उपस्थिति रही, जबकि राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश ने चर्चा का संचालन किया। दोनों नेताओं ने विधायी संस्थाओं को समय के अनुरूप मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। सम्मेलन का तीसरा और

अंतिम दिन 21 जनवरी 2026 को आयोजित होगा। समापन सत्र में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे और समापन समारोह में अपने विचार रखेंगे। राज्य सभा के उपसभापति, साथ ही इस तकनीक को उपयुक्त एवं विश्वसनीय बनाने के लिए अपेक्षित विभिन्न कदमों का भी उल्लेख किया।

स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और मानकीकरण पर दिया जोर

पूर्ववर्ती AIPOC सम्मेलनों की चर्चाओं का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि उत्कृष्टता, नवाचार और तकनीक के उपयोग जैसे मानकों पर राज्य विधायिकाओं के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा आवश्यक है। उन्होंने वर्ष 2019 में देहरादून में आयोजित AIPOC सम्मेलन का हवाला देते हुए बताया कि इसी सोच के तहत एक समिति का गठन किया गया है।

एआई की भूमिका पर बोले हरिवंश

राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश ने विधान मंडलों की कार्यकुशलता बढ़ाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एआई के माध्यम से विधायी कार्यों को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है, लेकिन इसके लिए तकनीक को विश्वसनीय और उपयोगी बनाना जरूरी है। उन्होंने संसद और राज्य विधान मंडलों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता भी बताई।

तीन प्रमुख विषयों पर हुआ मंथन

सम्मेलन के दूसरे दिन पूर्ण सत्रीय बैठकों में तीन अहम विषयों पर चर्चा हुई। इनमें पारदर्शी, विधायकों की क्षमता-वृद्धि के माध्यम से कार्यकुशलता में सुधार तथा लोकतांत्रिक शासन को मजबूत करना, और जनता के प्रति विधायिकाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करने जैसे मुद्दे शामिल रहे।

झड़प : कोकराझार में इंटरनेट बंद, देर रात मॉब लिंचिंग में एक की मौत हुई थी

भीड़ ने घरों-चौकी में आग लगाई, हाइवे जाम

- हाइवे जाम करने के बाद वाहनों की लंबी कतार लग गई।
- प्रदर्शनकारियों ने टायरों में आग लगाकर नेशनल हाइवे जाम किया।
- बोडो और अदिवासी समुदाय के बीच युवकी की मौत के बाद झड़प हुई। क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन होने लगा।

तमसा संकेत, एजेंसी

कोकराझार। असम के कोकराझार में बोडो समुदाय और आदिवासियों के बीच झड़प हो गई। इसके बाद दोनों समुदायों ने घरों और करिगांव पुलिस चौकी में आग लगा दी। भीड़ ने टायरों में आग लगाकर

करिगांव के पास नेशनल हाइवे जाम कर दिया। कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ते देख प्रशासन ने रैपिड एक्शन फोर्स तैनात कर दी है। एहतियात के तौर पर क्षेत्र में अगले आदेश तक इंटरनेट पर भी रोक लगा दी है। दरअसल, सोमवार रात करिगांव चौकी के पास मानसिंह रोड पर एक गाड़ी ने दो आदिवासी समुदाय के लोगों को टक्कर मार दी थी।

» (शेष पेज 04 पर)

पिछले साल दिसंबर में भी असम में हिंसा हुई थी

पिछले साल 22 दिसंबर को भी असम के कार्बी आंगलोंग जिले में हिंसा भड़की थी। विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों से जुड़े आंदोलनकारी कार्बी आंगलोंग और पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिलों में पेशेवर चराई रिजर्व (PGR) और ग्रामीण चराई रिजर्व (VGR) में अवैध रूप से रह रहे लोगों को हटाने की मांग कर रहे थे।

इलाज के दौरान घायल की मौत

देर रात हुए भीड़ के हमले के बाद घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां सिखना ज्वह्लाओ बिस्मित उर्फ राजा ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वह ठेकेदार मोरांडा बसुमतारी का दामाद था, जो इलाके में चल रही सड़क निर्माण परियोजना से जुड़े हैं। इस हमले में प्रभात ब्रह्मा, जुबिराज ब्रह्मा, सुनील मुर्मू और महेश मुर्मू गंभीर रूप से घायल हो गए।

यूपी में टीईटी-टीजीटी, पीजीटी एग्जाम की नई तारीखों का ऐलान

यूपीईएसएससी ने कैलेंडर किया जारी, अप्रैल से जुलाई के बीच परीक्षाएं

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (UPESSC) ने मंगलवार को चार बड़ी परीक्षाओं की नई तारीखों का ऐलान कर दिया है। आयोग अध्यक्ष और पूर्व DGP डॉक्टर प्रशांत कुमार ने बताया- TET, TGT, PGT और असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा अप्रैल से जुलाई के बीच होंगी। दो हफ्ते पहले योगी सरकार ने 2022 की असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा रद्द कर दी थी। अब असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा 18 व 19 अप्रैल को होगी। PGT भर्ती परीक्षा 9 व 10 मई और TGT भर्ती परीक्षा 3 व 4 जून को होगी। इसी तरह UP TET परीक्षा 2, 3 व 4 जुलाई को कराई जाएगी। UP TET

2026 का नोटिफिकेशन जल्द जारी किया जाएगा। इसके विस्तृत कार्यक्रम व आवेदन प्रक्रिया संबंधी सूचना के लिए अलग से जारी की जाएगी। दरअसल, यूपी STF को असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा में धांधली और अवैध धन वसूली का पता चला था। STF ने आउटसोर्स के एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया था। ठगों ने फर्जी पेपर बनाकर अभ्यर्थियों से वसूली की थी। CM योगी ने जांच के आदेश दिए थे। सरकार ने धांधली के आरोप लगने के बाद इस परीक्षा को रद्द कर दिया था। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (UPHESC) ने 33 विषयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 910 पदों के लिए नोटिफिकेशन जारी किया था। एक लाख से ज्यादा आवेदन आए थे। आयोग अध्यक्ष ने बताया- 16 और 17 अप्रैल 2025 को प्रस्तावित असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा को पहले स्थगित कर दिया गया था। अब उस परीक्षा को नए सिरे से अप्रैल 2026 में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। परीक्षा से संबंधित परीक्षा केंद्र, पाली और प्रवेश पत्र की जानकारी उम्मीदवारों को अलग से समय पर उपलब्ध कराई जाएगी।

» (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

ट्रंप का प्रस्ताव ठुकराना ही बेहतर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारत को एक ऐसा प्रस्ताव मिला है, जिसे सरकार को फौरन नकार देना चाहिए। क्योंकि इसमें न केवल भारत की संप्रभुता और गुटनिरपेक्षता पर खतरा खड़ा होगा, बल्कि घोर वैश्विक असंतुलन भी खड़ा हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप गज़ा में शांति बहाल करने और स्थायी व्यवस्था निर्मित करने के लिए बनाए गए बोर्ड में भारत को भी शामिल करना चाहते हैं। अमेरिका की तरफ से बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण आया है। 16 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में ट्रंप ने कहा कि भारत की भागीदारी से मध्य पूर्व में शांति की दिशा में एक 'ऐतिहासिक और निर्णायक प्रयास' को मजबूती मिलेगी। उन्होंने इसे 7 अक्टूबर 2023 से जारी गज़ा संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक नए और साहसिक वैश्विक दृष्टिकोण के रूप में पेश किया है। ट्रंप के मुताबिक, उन्होंने 29 सितंबर, 2025 को गज़ा संकट को खत्म करने के लिए 20-बिंदुओं वाली योजना की घोषणा की थी, जिसे अरब देशों, इज़रायल और यूरोप सहित कई वैश्विक नेताओं का समर्थन मिला था। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी इसे अनुमोदित किया था। लेकिन बात केवल इतनी ही नहीं है। असल में यह बोर्ड ऑफ पीस पूरी वैश्विक व्यवस्था को उलट-पुलट करने के इरादे से बनाया गया है। डोनाल्ड ट्रंप इसके आजीवन अध्यक्ष रहेंगे, और वो हटते हैं तो उनके द्वारा नामित व्यक्ति ही उनका उत्तराधिकारी बनेगा। यानी अमेरिका अपनी चौधराहट अब नए तरीके से दिखा रहा है। इसके अलावा बोर्ड के जरिए केवल गज़ा तक नहीं बल्कि तीसरी दुनिया के देशों की कमान संभालने का इरादा दिख रहा है। ट्रंप ने पिछले साल सितंबर में जब ग़ज़ा के लिए एक 20-सूत्रीय शांति योजना प्रस्तावित की थी तो इसमें ग़ज़ा को एक 'अस्थायी शासन' के अधीन रखा जाना था, जिसका प्रबंधन एक 'तकनीकी, गैर-राजनीतिक फिलिस्तीनी समिति' द्वारा किया जाता। जब संरा ने इस बोर्ड को मंजूरी दी, तो इसका कार्यकाल 2027 के अंत तक सीमित था और फोकस केवल ग़ज़ा पर था। लेकिन बोर्ड का चार्टर अब विस्तारित हो चुका है। अब यह सिर्फ मध्यपूर्व की शांति तक सीमित नहीं है, बल्कि 'वैश्विक संघर्षों को सुलझाने' वाला एक 'नया अंतरराष्ट्रीय संगठन और अस्थायी शासन प्रशासन' के रूप में परिभाषित है। चार्टर में 'और संस्थाओं से अलग होने का साहस' पर जोर दिया गया है। यानी संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्था को खत्म कर, एक समानांतर व्यवस्था बनाने की चालाकी ट्रंप ने दिखाई है। बोर्ड का चार्टर 'संघर्ष से प्रभावित' या 'संघर्ष की धमकी वाले' क्षेत्रों में 'स्थायी शांति' पर फोकस करता है। जहां 'धमकी वाले' क्षेत्र की परिभाषा साफ नहीं है। वैसे भारत इस व्यवस्था से दूर ही रहे तो अच्छा है, क्योंकि चार्टर में लिखे 'संघर्ष की धमकी वाले क्षेत्र' जैसे अस्पष्ट शब्द भविष्य में कश्मीर जैसे मुद्दे पर भारत की संप्रभुता को चुनौती दे सकते हैं। ट्रंप अभी पहलगाम के बाद ही किस तरह दखलंदाजी करने लगे हैं, ये सबने देखा है। भारत की हामी के बाद तो उन्हें कश्मीर पर बोलने का लाइसेंस ही मिल जाएगा। दरअसल गज़ा को कट्टरता और आतंकवाद से मुक्त क्षेत्र बनाने, सुरक्षा ढांचा तैयार करने और पुनर्निर्माण करने के नाम पर ट्रंप अब एशिया और अफ्रीका के कमजोर देशों पर अमेरिकी पूंजीवाद के चंगुल और कसना चाहते हैं। नए निर्माण और सुरक्षा के नाम पर कमजोर देशों को मनमानी शर्तों पर समझौता करने मजबूर किया जाएगा और उससे बाद उनकी जमीन और संसाधनों का इस्तेमाल ट्रंप अपने मुनाफे के लिए करेंगे। अभी संयुक्त राष्ट्र संघ चाहे शांति बहाली या युद्ध रुकवाने में प्रभावी रहे न रहे, वहां सभी सदस्य देशों के वोट का महत्व है और वीटो शक्ति के कारण किसी एक देश की मनमानी नहीं चल पाती है। ट्रंप इसे खत्म करके एक नये किस्म की तानाशाही कायम करने की राह पर हैं और इसमें वो भारत को भी शामिल करना चाहते हैं। अब यह नरेन्द्र मोदी को तय करना है कि वे ट्रंप की मीठी-मीठी बातों में आते हैं या भारत के घरेलू और वैश्विक हितों पर दूरगामी नजरिया रखते हैं। गौरतलब है कि ट्रंप का निमंत्रण ऐसे वक्त में आया है जब मोदी सरकार ट्रंप प्रशासन के साथ एक व्यापार समझौते पर काम कर रही है, ताकि भारतीय निर्यात पर लगे 50प्रतिशत शुल्क को कम किया जा सके ट्रंप ने पहले ही भारत को परोक्ष रूप से धमका कर अपने फायदे के सौदे करवाए हैं। चाहे रूस से तेल खरीद कम करना हो या ईरान में चाबहार पोर्ट पर समझौते से पीछे हटना हो, मोदी सारे काम ट्रंप की सुविधा के लिए कर रहे हैं। अब उनके सामने बोर्ड ऑफ पीस का नया चारा फेंका गया है। ध्यान रहे कि ट्रंप इसमें भी चंदा उगाही से बाज नहीं आ रहे हैं। इस बोर्ड में स्थायी सदस्यता पाने के लिए एक अरब अमेरिकी डॉलर का योगदान करना होगा। वहीं, तीन साल की अस्थायी सदस्यता के लिए किसी वित्तीय योगदान की शर्त नहीं रखी गई है। इस राशि का उपयोग गज़ा के लिए होगा, ये कहा गया है। लेकिन जहां ट्रंप की मर्जी चलेगी, वहां क्या कोई देश या बोर्ड का सदस्य हिसाब-किताब मांग सकेगा। बता दें कि इस समय बोर्ड की कार्यकारी समिति में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर, मध्य पूर्व के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ, ट्रंप के दामाद और व्यवसायी जेरेड कुशनर तथा विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा शामिल हैं।

महाराष्ट्र चुनाव ने क्या संदेश दिया है

> विपक्ष के खात्मे का ये मतलब नहीं है कि वो खत्म हो जाएगा बल्कि उसके खात्मे का मतलब है कि वो सत्ता छीनने के काबिल न बचेगा। इस नीति में विपक्ष जिंदा तो रहेगा लेकिन खड़ा होने के काबिल नहीं होगा। भाजपा की हिन्दुत्व और विकास की राजनीति विपक्ष को बहुत भारी पड़ रही है।

> अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा बहुत प्रोफेशनल पार्टी है. उसका मुकाबला उसके तरीके से ही किया जा सकता है। कोई भी दल परम्परागत तरीके से लड़कर उससे जीत नहीं सकता। सवाल यह है कि क्या अखिलेश यादव के अलावा कोई और विपक्षी नेता इस बात को समझ नहीं पा रहा है।

2014 के बाद से मोदी की राजनीति देश के सिर पर चढ़कर बोल रही है। 2024 लोकसभा चुनाव में जब भाजपा बहुमत से दूर रह गई तो राजनीतिक विश्लेषकों ने कहा कि अब मोदी की राजनीति का उतराव शुरू हो गया है । विपक्षी दल भी काफी खुश थे कि अब जनता में मोदी का असर कम होने लगा है । लोकसभा चुनाव के बाद कई राज्यों में भाजपा की जबरदस्त जीत ने बता दिया है कि मोदी का असर कम होने की जगह बढ़ गया है । इस साल पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम और पुडुचेरी में चुनाव होने वाले हैं, जो यह तय करेंगे कि विपक्ष का भविष्य क्या होगा । महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की थी लेकिन मुंबई महानगरपालिका चुनाव की जीत के अलग मायने हैं । बीएमसी के बजट को देखते हुए कहा जा सकता है कि यह किसी बड़े राज्य से कम महत्वपूर्ण नहीं है । महाराष्ट्र भाजपा के लिए दूसरा गुजरात बन सकता है । जिस तरह से मोदी ने अपने शासन में धीरे-धीरे विपक्ष को खत्म कर दिया था, वैसे ही महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस भी मोदी के नेतृत्व में विपक्ष के खात्मे की ओर चल पड़े हैं। भाजपा और संघ इतने बड़े बन चुके हैं कि उनसे मुकाबला करना किसी भी राजनीतिक दल के लिए आसान नहीं रहा है । कांग्रेस दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है और सही मायनों में भाजपा के अलावा वहीं एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी है लेकिन सच्चाई यह है कि कांग्रेस धीरे-धीरे अपना प्रभाव खोती जा रही है । बीएमसी चुनाव परिणाम का संदेश यह भी है कि मोदी के नेतृत्व में भाजपा राजनीतिक धोखे का बदला बड़ी बेदर्दी से लेती है । पहले मोदी-शाह की जोड़ी ने एनसीपी और शिवसेना को दो टुकड़ों में तोड़ दिया और अब महाराष्ट्र में यह जोड़ी पूर्ण वर्चस्व पाने की ओर चल पड़ी है । इस लड़ाई को लड़ने के लिए मोदी के पास देवेंद्र फडणवीस के रुप में एक बड़ा योद्धा है । देखा जाए तो इस जीत ने देवेंद्र फडणवीस का कद देश की राजनीति में बहुत बड़ा कर दिया है । एनसीपी के दोनों धड़ो की ऐसी हालत हो गई है कि यहां से ऊपर उठना लगभग असंभव लग रहा है । इसके बावजूद उद्धव ठाकरे अपने पिता की विरासत बचाने की जंग भी जीतते नजर आ रहे हैं । देखने से लगता है कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना की सफलता उद्धव ठाकरे की शिवसेना से बड़ी है लेकिन एकनाथ शिंदे भाजपा से अलग होकर उद्धव ठाकरे के खिलाफ लड़ते हैं तो हालात बदल सकते हैं। उद्धव ठाकरे ने 65 सीटें जीतकर दिखा दिया है कि वो अब भी कमजोर नहीं हुए हैं लेकिन सच यह है कि अब वो बीएमसी से बाहर हो गए हैं। बीएमसी से ही उन्हें पार्टी चलाने की ऊर्जा मिल रही थी, अब उन्हें यह ऊर्जा मिलनी बंद हो जाएगी तो धीरे-धीरे उनकी पार्टी की ताकत कम होती जाएगी। अगर एकनाथ शिंदे और भाजपा का गठबंधन ऐसे ही बना रहता है तो महाराष्ट्र की राजनीति में विपक्षी दलों के लिए मौके कम होते जाएंगे । एनसीपी की आर्थिक ताकत बहुत ज्यादा है, इसलिए वो अपना अस्तित्व बनाये रख सकती है लेकिन उद्धव ठाकरे के लिए आर्थिक कमजोरी मुश्किलें खड़ी कर सकती है। देखा जाए तो महाराष्ट्र की राजनीति बड़े जटिल मोड़ पर खड़ी हो गई है, यहां से कौन कहाँ जाएगा, कहना बड़ा मुश्किल है। कांग्रेस ने इन चुनाव में अपनी ताकत दिखा दी है। कांग्रेस महाराष्ट्र में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बन सकती है, क्योंकि उसे मुंबई के अलावा अन्य शहरों में अच्छी सीटें मिली हैं। अगर भाजपा और एकनाथ शिंदे का गठबंधन बना रहता है तो आने वाले समय में कांग्रेस ही मुख्य विपक्षी पार्टी होगी। महाराष्ट्र से भाजपा ने अपने सहयोगियों और विरोधियों को बड़ा संदेश दिया है। जहां भाजपा ने अपनी पुरानी सहयोगी पार्टी शिवसेना को ठिकाने लगा दिया है, तो वहीं दूसरी तरफ उसने एनसीपी के अस्तित्व पर ही सवाल खड़ा कर दिया है। वैसे देखा जाए तो राजनीति में ऐसी उठापटक चलती रहती है लेकिन महाराष्ट्र से भारत की जनता ने विपक्ष को बड़ा संदेश दिया है। जनता ने बताया है कि सत्ता प्राप्त करना मुश्किल नहीं है लेकिन उसे संभालना मुश्किल है। शरद पवार ने उद्धव ठाकरे की सत्तालोलुपता का फायदा उठाकर कांग्रेस के साथ मिलकर महाराष्ट्र की सत्ता तो हासिल कर ली, लेकिन उसे संभाल नहीं पाए । उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद को पाना अपनी सफलता माना था लेकिन वो उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक भूल साबित हुई है। उन्होंने अपने पिता से मिली राजनीतिक पूंजी अपनी एक गलती से गवां दी है। उनकी पार्टी सिर्फ बीएमसी से बाहर नहीं हुई है, बल्कि अन्य शहरों में भी कोई कमाल नहीं दिखा सकी। इसका मतलब है कि उनके शासन से जनता निराश थी, जिसका खामियाजा उन्हें विधानसभा के बाद निकाय चुनाव में भुगतना पड़ा है वर्तमान विपक्ष की सबसे बड़ी कमी यही है कि वो मोदी की लाइन छोटी करने के चक्कर में अपनी लाइन ही भूल गया है। दूसरी तरफ मोदी के नेतृत्व में भाजपा विपक्ष को अनदेखा करते हुए अपनी बड़ी लाइन खींच रही है। विपक्ष भाजपा को कोसता रहता है लेकिन वो यह नहीं देखता कि जो राज्य उसके पास हैं, वो वहां ऐसा कुछ नहीं कर पा रहा है, जिससे जनता में उसकी छवि मजबूत हो । भाजपा में कमियां ढूंढने की जगह विपक्ष अपने राज्यों में बेहतर काम करे तो जनता उसके साथ आ सकती है। विपक्ष द्वारा शासित राज्यों में से बंगाल, केरल और तमिलनाडु में इस साल चुनाव होने वाले हैं, लेकिन कहीं भी विपक्ष पूरे दावे के साथ यह नहीं कह सकता कि वो जीतने वाला है। अजीब बात यह है कि इन तीनों राज्यों में भाजपा ने अभी तक एक बार जीत हासिल नहीं की है। तमिलनाडु और केरल में तो भाजपा विपक्ष में भी नहीं है। विपक्ष को यह समझना चाहिए कि वो अपने ही किले में घिरा हुआ महसूस क्यों कर रहा है। बंगाल में ममता बनर्जी पिछले 15 सालों लगातार सत्ता में हैं, लेकिन वो घबराई हुई हैं । तमिलनाडु में भाजपा मुख्य विपक्षी दल नहीं है लेकिन मुख्यमंत्री स्टालिन को भाजपा का डर सता रहा है। यही हालत केरल में है, जहां एक बार वामपंथी गठबंधन एलडीएफ और कांग्रेसनीत गठबंधन यूडीएफ सत्ता में आते रहे हैं। यह सिलसिला पिछली बार एलडीएफ ने सत्ता में वापिसी करके तोड़ दिया था लेकिन इस बार उसकी हालत खराब है । अजीब बात यह है कि एलडीएफ को सत्ता जाने का डर है लेकिन कांग्रेस को सत्ता मिलने का विश्वास नहीं है। इसकी वजह यह है कि भाजपा केरल में कुछ भी कर सकती है। भारतीय राजनीति में भाजपा ने एक नया ट्रेंड शुरू कर दिया है। चाहे केंद्र हो या राज्य, भाजपा सत्ता बचाने की लड़ाई जीत जाती है। केंद्र में भाजपा ने तीसरी बार सरकार बनाई है और कई राज्यों में उसकी सरकारें कई कार्यकाल पूरे कर चुकी हैं । जहां विपक्ष-शासित राज्यों में विपक्ष को सत्ताविरोधी लहर का डर सताता है, वहीं दूसरी तरफ भाजपाशासित राज्यों में उसे सत्तापक्षी लहर का डर सताता है। अगर जनता बार-बार भाजपा को सत्ता देती है तो इसके पीछे क्या वजह है, यह समझने को विपक्ष तैयार नहीं है। लोकसभा चुनाव में बहुमत से दूर रहने के बावजूद भाजपा बहुमत जैसी मजबूत सरकार चला रही है।

● राजेश कुमार पासी

मत प्रतिशत में ...

ललित गर्ग

बंगाल में लोकतंत्र, विकास और अस्मिता की निर्णायक परीक्षा-घड़ी

पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रही है, जहां सत्ता, संघर्ष, कानून और जनभावना- चारों धाराएं एक-दूसरे से टकराती हुई दिखाई देती हैं। यह टकराव केवल भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई भर नहीं है, बल्कि यह उस शासन शैली, लोकतांत्रिक मर्यादा और विकास दृष्टि की भी परीक्षा है, जिसके आधार पर बंगाल अपनी आने वाली राजनीतिक दिशा तय करेगा। लंबे समय तक "खेला होगा" के नारे के सहारे भाजपा को रोकने में सफल रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सामने इस बार परिस्थितियां अपेक्षाकृत अधिक जटिल, चुनौतीपूर्ण और बहुआयामी नजर आ रही हैं। आज समूचे देश की नजरे पश्चिम बंगाल पर टिकी है। वहां आगामी विधानसभा काफी रोमांचक एवं निर्णायक होगा, जिसमें पश्चिम बंगाल का नया भविष्य बुनने की दिशाएं उद्घाटित होगी। एक ओर केंद्र और राज्य के बीच टकराव अपने चरम पर है, तो दूसरी ओर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई, अदालती टिप्पणियां और कानूनी बहसें राजनीतिक विमर्श को नियंत्रित कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों ने केवल एक कानूनी प्रश्न ही नहीं उठाया, बल्कि यह संकेत भी दिया कि राज्य सरकारों द्वारा केंद्रीय जांच एजेंसियों के कामकाज में हस्तक्षेप की सीमाएं कहां तक हो सकती हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने ममता बनर्जी की उस राजनीतिक छवि को आंशिक रूप से प्रभावित किया है, जो अब तक स्वयं को केंद्र के कथित दमन के विरुद्ध संघीय ढांचे की रक्षक के रूप में प्रस्तुत करती रही हैं। अदालतों में लंबी चलने वाली कानूनी लड़ाइयों का राजनीतिक प्रभाव तुरंत और गहरा होता है, विशेषकर तब, जब चुनाव नजदीक हों और जनता का ध्यान प्रशासनिक उपलब्धियों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप पर केंद्रित होने लगे। बंगाल की राजनीति की एक विशिष्ट विशेषता यह रही है कि यहां विचारधारा और भावनाएं अत्यंत तीव्र रूप से अभिव्यक्त होती हैं। वाम मोर्चे के लंबे शासन के बाद ममता बनर्जी का उदय एक जनांदोलन के रूप में हुआ था। उन्होंने न केवल वामपंथी वर्चस्व को तोड़ा, बल्कि खुद को गरीब, हाशिए के वर्ग और क्षेत्रीय अस्मिता की आवाज के रूप में स्थापित किया। शुरुआती वर्षों में उनकी सरकार ने कुछ कल्याणकारी योजनाओं और सशक्त राजनीतिक संप्रेषण के माध्यम से जनता का विश्वास भी अर्जित किया। किंतु समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, संगठन पर अत्यधिक नियंत्रण और विरोध के प्रति असहिष्णुता जैसे आरोप भी समानांतर रूप से उभरते गए। भाजपा ने इन्हीं कमजोरियों को अपना राजनीतिक आधार बनाने की कोशिश की है। 2019 के लोकसभा चुनावों से लेकर अब तक भाजपा ने बंगाल में अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया है और हिंदुत्व, राष्ट्रवाद तथा भ्रष्टाचार विरोधी विमर्श को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। हालांकि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने भारी बहुमत से वापसी की, लेकिन यह भी सच है कि भाजपा बंगाल की राजनीति में एक स्थायी और निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुकी है। मत प्रतिशत में अंतर और सीटों का आंकड़ा भाजपा के लिए भले ही निराशाजनक रहा हो, पर संगठनात्मक विस्तार और सामाजिक आधार का विस्तार उसके लिए भविष्य की संभावनाओं के द्वार खोलता है। हाल के वर्षों में बंगाल में विकास का प्रश्न अपेक्षाकृत पीछे छूटता दिखाई दिया है। उद्योग, निवेश और रोजगार के मुद्दे राजनीतिक शोर में दब गए हैं। आम जनता की एक बड़ी चिंता यह भी है कि राज्य की राजनीति निरंतर टकराव और हिंसा के आरोपों से क्यों घिरी रहती है। चुनावी हिंसा, राजनीतिक कार्यकर्ताओं पर हमले और प्रशासन की निष्पक्षता पर उठते सवाल राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। पड़ोसी देशों से अवैध घुसपैठ, सीमावर्ती इलाकों में जनसांख्यिकीय बदलाव और कानून-व्यवस्था की चुनौतियां भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन चुकी हैं। इन मुद्दों पर ममता सरकार का रुख अक्सर रक्षात्मक दिखाई देता है, जबकि भाजपा इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक पहचान से जोड़कर व्यापक समर्थन जुटाने का प्रयास करती है। महाराष्ट्र के शहरी निकाय चुनावों और बिहार में भाजपा को मिली हालिया सफलता ने पार्टी के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से बढ़ाया है। भाजपा का यह विश्वास कि बंगाल अब भी राजनीतिक परिवर्तन के लिए तैयार है, केवल चुनावी आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि वह इसे एक लंबी रणनीति का हिस्सा मानती है। किंतु बंगाल कोई साधारण राजनीतिक मैदान नहीं है। यहां की सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक स्मृति किसी भी दल के लिए आसान नहीं रही है। ममता बनर्जी की सबसे बड़ी ताकत आज भी उनकी जमीनी पकड़ और भावनात्मक अपील है।

पत्रकारिता का मूल ...

बाबूलाल नागा

टकराव नहीं, संवाद ही लोकतंत्र का भविष्य

आज का समय तेज बदलावों का समय है। तकनीक, संचार और सूचना के इस युग में समाज पहले से कहीं अधिक जुड़ा हुआ दिखाई देता है, लेकिन विरोधाभास यह है कि इसी दौर में व्यक्ति-व्यक्ति के बीच दूरी भी बढ़ती जा रही है। अखबारों की सुर्खियां, टीवी बहसें और सोशल मीडिया की टाइमलाइन—अक्सर भय, आक्रोश, अविश्वास और टकराव से भरी नजर आती हैं। मानो सकारात्मक खबरें अब अपवाद बनती जा रही हों। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या समाज सचमुच इतना नकारात्मक हो गया है, या फिर हम सकारात्मक प्रयासों को देखना और दिखाना भूलते जा रहे हैं? वर्तमान सामाजिक परिदृश्य पर नजर डालें तो स्पष्ट होता है कि नकारात्मकता केवल एक भावनात्मक स्थिति नहीं, बल्कि एक सामाजिक प्रवृत्ति बनती जा रही है। असहमति को संवाद के बजाय संघर्ष में बदल देना, विचारों के मतभेद को व्यक्तिगत दुश्मनी समझ लेना और अफवाहों को सत्य मान लेना—ये सभी प्रवृत्तियां लोकतांत्रिक समाज के लिए गंभीर चुनौती हैं। यह स्थिति केवल राजनीतिक बहसों तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक स्तर पर भी गहराती जा रही है। सोशल मीडिया ने जहां आम नागरिक को अभिव्यक्ति का मंच दिया है, वहीं उसने जिम्मेदारीहीनता को भी बढ़ावा दिया है। अधूरी जानकारी, भ्रामक वीडियो और उत्तेजक भाषा के जरिए नकारात्मक भावनाएं तेजी से फैलती हैं। परिणामस्वरूप समाज में अविश्वास का माहौल बनता है। लोग एक-दूसरे की बात सुनने के बजाय पहले ही निष्कर्ष पर पहुंच जाते हैं। यह प्रवृत्ति किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं कही जा सकती। लेकिन इसी तस्वीर का दूसरा पहलू भी है, जिसे अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। देश के गांवों, कस्बों और शहरों में ऐसे अनगिनत सकारात्मक प्रयास जारी हैं, जो समाज को जोड़ने का काम कर रहे हैं। कहीं युवा स्वयंसेवी संगठन शिक्षा से वंचित बच्चों को पढ़ा रहे हैं, तो कहीं महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समुदाय की आर्थिक स्थिति बदल रही हैं। कहीं किसान प्राकृतिक खेती अपनाकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मिसाल कायम कर रहे हैं, तो कहीं शिक्षक सीमित संसाधनों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का सपना साकार कर रहे हैं। समस्या यह नहीं है कि समाज में सकारात्मकता समाप्त हो गई है, समस्या यह है कि नकारात्मक खबरों का शोर सकारात्मक प्रयासों की आवाज को दबा देता है। मीडिया की भूमिका यहां अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य केवल सनसनी फैलाना नहीं, बल्कि समाज को दिशा देना भी है। सकारात्मक पत्रकारिता का अर्थ यह नहीं कि समस्याओं को छुपाया जाए, बल्कि यह कि समस्याओं के साथ-साथ समाधान और उम्मीद की कहानियां भी सामने लाई जाएं। आज भारत जिस सबसे बड़ी चुनौती से जूझ रहा है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने ...

अशोक भाटिया

ट्रंप का दावा कितना सही ?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला पर हमले और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पत्नी समेत अगवा कराए जाने के बाद अब डेनमार्क के स्वायत्त द्वीप ग्रीनलैंड को लेकर अपनी मुहिम तेज कर दी है। ट्रंप का दावा है कि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड पर अमेरिकी स्वामित्व जरूरी है। ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है, जो कनाडा और यूरोप के बीच उत्तरी अटलांटिक महासागर में स्थित है। उत्तरी ध्रुव से सटे होने के कारण इसका 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बर्फ की मोटी परत से ढका हुआ है। जलवायु परिवर्तन के कारण यह बर्फ तेजी से पिघल रही है और इसके साथ ही उत्तरी ध्रुव सागर की बर्फ भी घटती जा रही है। इसका एक बड़ा असर यह है कि समुद्री यातायात के लिए नए जलमार्ग खुल रहे हैं, जो रूस, चीन और जापान से उत्तरी अमेरिका तथा यूरोप की दूरी काफी कम कर देते हैं। इन नए जलमार्गों पर पकड़ बनाने के लिए रूस और चीन अपने विशेष युद्धपोतों और पनडुब्बियों का विकास कर रहे हैं। इसी कारण ग्रीनलैंड का भू-राजनीतिक और सामरिक महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है। दूसरे विश्व युद्ध में भी इस क्षेत्र ने हिटलर की नौसेना को रोकने में अहम भूमिका निभाई थी। युद्ध के बाद अमेरिका ने इसे खरीदने की कोशिश की थी, जबकि 1951 में डेनमार्क ने ग्रीनलैंड की सुरक्षा में अमेरिका को विशेष भूमिका देते हुए सैन्य अड्डे बनाने की अनुमति दे दी थी।ग्रीनलैंड में तेल, गैस और दुर्लभ खनिजों के भंडार भी बताए जाते हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, रक्षा तकनीक और स्वच्छ ऊर्जा की बैटरियों के लिए बेहद जरूरी हैं। ट्रंप का कहना है कि रूस और चीन के बढ़ते खतरे को देखते हुए अमेरिका को ग्रीनलैंड अपने नियंत्रण में लेना चाहिए। देखा जाय तो कुछ ऐसा खरीदने की कोशिश करना जिसे बेचा नहीं जा सकता है, उसे हड़पना कहा जाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प उत्तरी गोलार्ध के पास ग्रीनलैंड के साथ ऐसा ही कुछ करना चाहते हैं। अमेरिकी मानसिकता एक व्यापारी है। हम हमेशा अपने आस-पास ऐसे लोगों के समूह को देखते हैं जो मानते हैं कि वे पैसे से कुछ भी खरीद सकते हैं। उस रवैये का अंतर्राष्ट्रीय प्रतीक संयुक्त राज्य अमेरिका है, जो उस देश, अलास्का का हिस्सा है।लुइसियाना और अन्य राज्यों को संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा खरीदा गया है। यानी ऐसे प्रांतों को खरीदना अमेरिका की आदत रही है। इसका अगला हिस्सा ग्रीनलैंड को खरीदने का देश का प्रयास है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने पहली बार 1867 में या बाद में 1910 में इसी तरह के प्रयास की कोशिश की। वह असफल रहा। बाद में, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, अमेरिका की ग्रीनलैंड की भूख फिर से बढ़ गई। उस विश्व युद्ध में, स्थिति उत्पन्न हुई कि क्या डेनमार्क, जिसके पास ग्रीनलैंड का प्रबंधन था, हिटलर के नाजियों द्वारा निगल लिया जाएगा। हिटलर से निपटने में डेनमार्क अन्य यूरोपीय देशों की तरह मजबूत नहीं था। इसलिए, देश ने संयुक्त राज्य अमेरिका से मदद मांगी और फिर संयुक्त राज्य अमेरिका ने ग्रीनलैंड में एक सैन्य अड्डा स्थापित करके दोनों पक्षों की रक्षा की। तब से, अमेरिकी सैनिक हमेशा इस बर्फीली भूमि पर रहते हैं। यह एक कारण है कि ट्रम्प की ग्रीनलैंड भूख जाग रही है। वास्तव में, भौगोलिक रूप से, ग्रीनलैंड संयुक्त राज्य अमेरिका के बिल्कुल भी करीब नहीं है।

समय का हो उत्कृष्ट सदुपयोग

समय खोया हुआ पुनः पाया जाए इसका कोई उपाय नहीं हैं । इसीलिए कहा गया है कि समय सर्वोच्च शक्ति हैं । हमारे जीवन में समय का बहुत महत्व होता हैं । समय एक प्रकार का धन हैं । इस धन का हम मानव क्या उपयोग कर सकते हैं । यह हमारे लिए एक ध्यातव्य बात हैं । जो व्यक्ति समय का आदर करता है वास्तव में वह सर्वोच्च शक्ति की आदर भक्ति करता है। समय की बर्बादी आत्मपतन की आबादी है । वह जो समय को व्यर्थ खोता है वास्तव में अपने जीवन के साथ अनर्थ ही करता है । समय का सदुपयोग भी किया जा सकता हैं । दुरुपयोग भी किया जा सकता हैं । अनुपयोग भी किया जा सकता हैं । समय का हर पल एक साधना है । उसे किसी सार्थक काम में लगाना ही इसकी सही आराधना है । अतः हम इसे खोएँ नहीं किसी सार्थक प्रयोजन में सही-सही लगाएँ । अच्छे कार्यों में समय का सही से नियोजन किया जाए तो समय का सही से सदुपयोग भी हो जाता हैं । हिंसा, झूठ, धोखाधड़ी आदि बुरे कार्यों में समय का नियोजन किया जाए तो समय का दुरुपयोग हो जाता हैं । वह आदमी आलस्यवश आदि प्रयोजन से कोई कार्य ही नहीं करें तो वह समय का अनुपयोग हो जाता हैं । हमको चाहिए की हम समय का बढ़िया, धार्मिक - आध्यात्मिक उपयोग करें । हम बुरे कार्यों, बुरे विचारों और बुरी योजनाओं में अपना समय कभी भी नहीं लगाए । वह कुछ भी नहीं करना उत्तम नहीं हैं । समय का अच्छा उपयोग किया जाए तो जीवन में समय का सार्थक सही से उपयोग संभव हैं । हमको समय के लिए किसी प्रकार का धन लगाने की आवश्यकता नहीं होती हैं । हमको प्रतिदिन के 24 घंटे समान रूप से मिलते हैं । इस समय का कौन व्यक्ति कितना विवेकपूर्ण उपयोग करता हैं । यही सबसे महत्वपूर्ण होता हैं । धर्मग्रंथों में चौरासी लाख जीवयोनियों बताईं गईं हैं । उनमें यह मानव जीवन दुर्लभ और महत्वपूर्ण हैं । इस मानव जीवन में साधना करके मोक्ष तक पहुँचा जा सकता हैं । वह किसी अन्य योनि से मोक्ष की प्राप्ति करना संभव नहीं हैं । अतः इस मानव जीवन में हमें समय का सही और उत्कृष्ट उपयोग करना चाहिए । इस सर्वोच्च शक्ति का सदुपयोग तभी होगा जब सद्कर्मों से प्राप्त इस दुर्लभ निधि का सही उपयोग हमारे से होगा । अतः सदा सदा ध्यान रहे कि समय बड़ा बलवान हैं ।

› प्रदीप छाजेड़

साइना के मुताबिक उनके घुटनों का कार्टिलेज पूरी तरह घिस चुका है और उन्हें आर्थराइटिस हो गया है। उन्होंने कहा, 'जब आप खेल ही नहीं पा रहे तो वहीं रुक जाना चाहिए। मैं पहले दिन में 8झ्र9 घंटे ट्रेनिंग करती थी, लेकिन अब मेरे घुटने 1-2 घंटे में ही जवाब दे देते हैं। इसके बाद सूजन आ जाती है। इसलिए मैंने सोचा कि अब बहुत हो गया।

बोलीं- घुटने की समस्या से परेशान थी, आखिरी बार 2023 में सिंगापुर ओपन में खेली थीं

3 साल से कोर्ट से दूर साइना नेहवाल का संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय बैडमिंटन की सबसे चमकदार सितारों में शुमार साइना नेहवाल ने प्रोफेशनल बैडमिंटन से संन्यास लेने की आधिकारिक घोषणा कर दी है। एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान साइना ने बताया कि लंबे समय से चल रहे घुटने के दर्द के कारण अब उनके लिए प्रतिस्पर्धी बैडमिंटन खेलना संभव नहीं रह गया है। 35 वर्षीय साइना ने स्पष्ट किया कि वह जून 2023 में सिंगापुर ओपन के बाद ही पेशेवर खेल से दूर हो चुकी थीं, लेकिन अब पहली बार सार्वजनिक रूप से इस फैसले पर खुलकर बात की है। पॉडकास्ट में साइना ने कहा, "मैंने दो साल पहले ही खेलना बंद कर दिया था। मैंने अपनी शर्तों पर खेलना शुरू किया और अपनी शर्तों पर ही छोड़ा। इसलिए मुझे लगा कि अलग से घोषणा करना जरूरी नहीं है।" उन्होंने यह भी बताया कि चोट और शारीरिक सीमाओं के साथ खेलना अब उनके लिए मुश्किल हो गया था और ऐसे में उन्होंने समय रहते खुद को खेल से अलग करने का निर्णय लिया। अपने

करियर के अंतिम वर्षों में साइना नेहवाल को घुटने की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा। कई बार सर्जरी और लंबा रिहैबिलिटेशन भी उनके खेल को पूरी तरह पटरी पर नहीं ला सका। हालांकि, इसके बावजूद उन्होंने लंबे समय तक वापसी की कोशिशें कीं और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में भारत का प्रतिनिधित्व करती रहीं। सिंगापुर ओपन 2023 उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट रहा, जिसके बाद उन्होंने कोर्ट से दूरी बना ली।

साइना ने 2008 में बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (इ्हा) वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप जीतकर पहली बार सुर्खियां बटोरी थीं। उन्होंने उसी साल पहली बार ओलिंपिक में हिस्सा लिया। वे ओलिंपिक क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। साइना 2009 में इ्हा सुपर सीरीज प्रतियोगिता जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। इसके बाद 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता।

चोट के बाद शानदार वापसी

साइना का करियर रियो ओलिंपिक 2016 के दौरान लगी घुटने की चोट से काफी प्रभावित हुआ। हालांकि, इसके बावजूद उन्होंने 2017 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज और कॉमनवेल्थ गेम्स 2018 में गोल्ड मेडल जीतकर शानदार वापसी की। साइना के घुटने की समस्या बार-बार उभरती रही। 2024 में साइना ने सार्वजनिक रूप से बताया था कि वे आर्थराइटिस से परेशान हैं। कार्टिलेज पूरी तरह घिस चुका है, जिससे शीर्ष स्तर पर खेलना लगभग असंभव हो गया है।

ओलिंपिक मेडल जीतने वाली भारत की पहली बैडमिंटन खिलाड़ी

पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 साइना ने लंदन ओलिंपिक-2012 में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया था। वे ओलिंपिक मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। उन्होंने 3 ओलिंपिक गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया। साइना को 2009 में अर्जुन अवॉर्ड और 2010 में राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने 2015 में वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग में टॉप पोजिशन भी हासिल की।

फास्ट न्यूज

अमेरिका में 100 से ज्यादा गाड़ियां आपस में टकराई

वॉशिंगटन। अमेरिका के मिशिगन राज्य में बर्फीले तूफान की वजह से बड़ा सड़क हादसा हुआ है। सोमवार को एक इंटरस्टेट हाईवे पर 100 से ज्यादा गाड़ियां आपस में टकरा गईं। कई गाड़ियां सड़क से फिसल गईं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक 30 से ज्यादा सेमी-ट्रेलर ट्रक फंसे हुए हैं। हादसे के बाद पुलिस को हाईवे के दोनों तरफ का ट्रैफिक बंद करना पड़ा। यह दुर्घटना मिशिगन के ग्रैंड रैपिड्स शहर के दक्षिण-पश्चिम में इंटरस्टेट 196 पर हुई।

सेंसेक्स 650 अंक गिरा, निफ्टी 25,350 के नीचे

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार (20 जनवरी) को लगातार दूसरा दिन गिरावट देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 650 अंक गिरकर 82,600 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी करीब 225 अंक की गिरावट है, ये 25,350 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 5 में तेजी और 25 में गिरावट देखने को मिल रही है। कमजोर ग्लोबल संकेत, FII की लगातार बिकवाली और ट्रेड वॉर की आशंकाओं ने निवेशकों का भरोसा कम किया। 19 जनवरी को विदेशी संस्थागत निवेशकों (FIIs) ने 3,262 करोड़ के शेयर बेचे। इस दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों (DIIs) ने 4,234 करोड़ के शेयर खरीदे। दिसंबर 2025 में FIIs ने कुल 34,350 करोड़ के शेयर्स बेचे थे। इस दौरान बाजार को संभाल रहे DIIs ने 79,620 करोड़ के शेयर खरीदे थे।

नया इनकम टैक्स कानून 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पुराने इनकम टैक्स एक्ट 1961 को बदलकर नया इनकम टैक्स एक्ट 2025 लाया है, जो 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। इसमें सबसे बड़ा बदलाव 'असेसमेंट ईयर' और 'प्रीवियस ईयर' की जगह 'टैक्स ईयर' का इस्तेमाल होगा। इससे आम टैक्सपेयर को ITR फाइल करने में कम कन्फ्यूजन होगा, क्योंकि इनकम कमाने वाला साल और टैक्स रिपोर्ट करने वाला साल एक ही होगा। यह बदलाव टैक्स सिस्टम को सरल बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

धुरंधर के पार्ट-2 का टाइटल होगा धुरंधर द रिवेंज

सेंसर बोर्ड ने पास किया फिल्म का एक मिनट से लंबा टीजर

नई दिल्ली, एजेंसी

धुरंधर फैंस के लिए खुशखबरी है, क्योंकि फिल्म के दूसरे पार्ट का टीजर जल्द ही रिलीज किया जाने वाला है। इसी के साथ फिल्म के पार्ट-2 के सीक्वल का टाइटल भी कन्फर्म हो गया है। 19 जनवरी यानी सोमवार को फिल्म धुरंधर-2 का टीजर सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन के पास भेजा गया था। ये टीजर 1 मिनट से लंबा है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, धुरंधर पार्ट- 2 का टाइटल धुरंधर द रिवेंज होने वाला है। सेंसर बोर्ड ने फिल्म का टीजर देखने के बाद इसे पास करते हुए 'A' (एडल्ट ओनली) सर्टिफिकेट दिया है। इससे पहले धुरंधर पार्ट-1 को हिंसक सीन होने के चलते ए सर्टिफिकेट ही दिया गया था। इसके बावजूद फिल्म जबरदस्त कमाई करते हुए सबसे ज्यादा कमाई करने वाली ए सर्टिफिकेट वाली फिल्म बन चुकी है।

भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है धुरंधर

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है, जिसने सिर्फ भारत में 879.75 करोड़ रुपए कमाए हैं। इसके अलावा फिल्म वर्ल्डवाइड दंगल (1963 करोड़) से बाद दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है।

तलाक की खबरों पर नेहा ने तोड़ी चुप्पी

कहा- मेरे पति और परिवार को इसमें मत घसीटो, एक दिन पहले रिश्तों से ब्रेक लेने की बात कही थी

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉलीवुड की मशहूर सिंगर नेहा कक्कड़ अपनी एक भावुक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर इन दिनों सुर्खियों में हैं। रिश्तों से ब्रेक लेने की बात कहने के बाद नेहा के तलाक की अटकलें तेज हो गई थीं, लेकिन अब खुद सिंगर ने इन खबरों पर विराम लगा दिया है। नेहा कक्कड़ ने साफ शब्दों में कहा है कि वह तलाक नहीं ले रहीं और साथ ही लोगों से अपील की है कि उनके पति और परिवार को इस विवाद में न घसीटा जाए। दरअसल, नेहा कक्कड़ ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया था, इस पोस्ट के सामने आते ही सोशल मीडिया पर कयासों का दौर शुरू हो गया और इसे उनकी निजी जिंदगी से जोड़कर देखा जाने लगा।

इमोशनल पोस्ट पर जताया पछतावा

नेहा कक्कड़ ने यह भी स्वीकार किया कि सोशल मीडिया पर भावुक होकर पोस्ट करना उनकी गलती थी। उन्होंने लिखा कि लोग अच्छी तरह जानते हैं कि किस तरह छोटी बात को बड़ा बना दिया जाता है। उन्होंने कहा, "मैं मानती हूं कि सोशल मीडिया पर पोस्ट करते समय मुझे इतना भावुक नहीं होना चाहिए था। सबक मिल गया।" पोस्ट के आखिर में नेहा ने अपने फैंस से प्यार जताते हुए लिखा कि वह अब अपनी पर्सनल लाइफ को पब्लिक प्लेटफॉर्म पर शेयर नहीं करेंगी। "अब मैं अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात नहीं करूंगी। बेचारी इमोशनल नेहू इस दुनिया के लिए बहुत ज्यादा इमोशनल है। सॉरी और धन्यवाद मेरे नेहार्ट्स।

"अब जिम्मेदारियों, रिश्तों, काम और हर उस चीज से ब्रेक लेने का वक्त है, जिसके बारे में मैं अभी सोच सकती हूं। पता नहीं मैं वापस आऊंगी या नहीं। धन्यवाद।" इस पोस्ट के बाद नेहा ने पैपराजी और फैंस से उनकी फोटो न लेने की भी अपील की थी। उन्होंने अपनी स्टोरी में लिखा था, "मैं पैपराजी और फैंस से गुजारिश करती हूं कि मेरी बिल्कुल भी फोटो न खींचे। मेरी प्राइवेसी का सम्मान करें और मुझे शांति से जीने दें। नो कैमरा प्लीज।"

ट्रोलिंग और विवादों से घिरी रहीं नेहा

गौरतलब है कि हाल के दिनों में नेहा कक्कड़ और उनके भाई टोनी कक्कड़ को गाने 'कैंडी शॉप' को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। यूजर्स ने गाने के डांस मूव्स को 'सस्ते' और 'अश्लील' बताते हुए के-पॉप की नकल करने के आरोप लगाए थे। इसके अलावा, साल 2025 में नेहा उस वक्त भी विवादों में आई थीं, जब मेलबर्न कॉन्सर्ट के दौरान उनका स्टेज पर रोते हुए वीडियो वायरल हुआ था।

किम जोंग ने मंच से डिप्टी पीएम को बर्खास्त किया

कहा- बकरी गाड़ी नहीं खींच सकती, तुम्हें जिम्मेदारी देना गलती थी, देर होने से पहले निकल जाओ

प्योंगयांग, एजेंसी

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने डिप्टी पीएम यांग सुंग-हो को बर्खास्त कर दिया है। कोरियाई न्यूज एजेंसी KCNA के मुताबिक किम जोंग उन योंगसोंग मशीन कॉम्प्लेक्स में सोमवार को इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट के पहले चरण के उद्घाटन के लिए पहुंचे थे। किम ने अपने संबोधन के दौरान यांग सोंग-हो को हटाने का आदेश दिया। किम ने डिप्टी पीएम को फटकार भी लगाई। किम ने मंच से ही डिप्टी पीएम से कहा, "बहुत देर होने से पहले, अपने पैरों पर खुद यहां से चले जाओ।" किम ने कहा कि यांग बड़ी जिम्मेदारियां संभालने के लायक नहीं हैं। किम ने कहा, "एक बकरी गाड़ी नहीं खींच सकती। यह हमारे कैडर अपॉइंटमेंट सिस्टम में हुई एक गलती थी। आखिरकार, गाड़ी बैल खींचता है, बकरी नहीं।" किम जोंग उन ने कहा कि उन्होंने यांग को योंगसोंग मशीन कॉम्प्लेक्स के पहले चरण के आधुनिकीकरण में हुई गंभीर गलतियों को सुधारने के लिए कई बार मौका दिया था।

पिछले हफ्ते किम जोंग ने 3 अफसरों को बदला था

किम जोंग उन ने पार्टी के उन सदस्यों पर भी नाराजगी जताई, जो लंबे समय से काम को लेकर लापरवाह बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा आर्थिक नीति संभालने वाले अधिकारी देश के उद्योग को फिर से व्यवस्थित करने और तकनीकी रूप से आगे बढ़ाने में सक्षम नहीं हैं। दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप के मुताबिक, किम की यह सार्वजनिक चेतावनी अचानक नहीं है। इसे पार्टी की नौवीं कांग्रेस से पहले अधिकारियों में डर और अनुशासन पैदा करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

काम में देरी के लिए अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया

यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब देश में सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की नौवीं पार्टी कांग्रेस की तैयारी चल रही है। उत्तर कोरिया में किसी अधिकारी को इस तरह सार्वजनिक रूप से फटकार लगना आम बात नहीं मानी जाती। यांग सुंग-हो पहले देश के मशीनरी उद्योग के मंत्री थे। बाद में उनका प्रमोशन करके मशीनरी क्षेत्र की जिम्मेदारी संभालने वाला उपप्रधानमंत्री बना दिया गया। दक्षिण कोरिया की सरकारी एजेंसी योनहाप के मुताबिक, वह पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में भी शामिल थे, लेकिन वहां उनकी भूमिका स्थायी नहीं थी। अभी तक यह नहीं बताया गया है कि उनकी जगह अब किसे जिम्मेदारी दी जाएगी।

योनहाप ने यह भी बताया कि इससे पहले, पिछले हफ्ते किम जोंग उन ने अपनी सुरक्षा से जुड़े टॉप मिलिट्री अफसरों को भी बदल दिया था। इसमें तीन बड़ी यूनिट के प्रमुख शामिल थे- सत्तारूढ़ पार्टी का गार्ड ऑफिस, स्टेट अफेयर्स कमीशन का गार्ड विभाग और बॉडीगार्ड कमांड।

किम जोंग ने फूफा को फांसी दे दी थी

उत्तर कोरिया में सार्वजनिक बर्खास्तगी के उदाहरण बहुत कम हैं, लेकिन पहले भी ऐसे मामले सामने आ चुके हैं। 2013 में किम जोंग उन के फूफा जांग सोंग-थैक को तख्ता पलट की साजिश के आरोप में फांसी दी गई थी। थैक पर तख्तापलट की साजिश के अलावा, भ्रष्टाचार, पार्टी विरोधी गतिविधियां, विदेशी ताकतों खासकर चीन के साथ गलत तरीके से रिश्ते रखना, देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगाए गए।

चांदी आज ₹10,888 बढ़कर ₹3.05 लाख के ऑलटाइम हाई पर

20 दिनों में कीमत ₹74 हजार बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम आज यानी 20 जनवरी को लगातार दूसरे दिन अपने ऑलटाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार एक किलो चांदी आज पहली बार सर्राफा बाजार में 3 लाख के पार निकल गई है। ये 10,888 रुपए बढ़कर 3,04,863 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले कल ये 2,93,975 रुपए पर थी। MCX पर चांदी कल ही 3 लाख के पार निकल गई थी। चांदी इस साल सिर्फ 20 दिनों में ही 74,443 रुपए महंगी हो चुकी है। सोना 2,429 रुपए बढ़कर 1,46,375 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। कल ये 1,43,946 रुपए पर था। सोना इस साल अब तक 13,180 रुपए महंगा हो चुका है। पिछले साल यानी 2025 में सोने की कीमत 57,033 रुपए (75%) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का

था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया। चांदी का भाव भी इस दौरान 1,44,403 रुपए (167%) बढ़ा। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो इस साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई। पुलिस ने बताया कि फंसे हुए वाहनों को हटाने के लिए राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। 2026 में चांदी 3.20 लाख प्रति किलो तक पहुंच सकती है। सोलर और EV डिमांड को देखते हुए हर गिरावट पर खरीदारी की सलाह है।

चर्चा : कॉस्मेटिक सर्जरी कराने की अटकलें ■ लोग कह रहे- हॉलीवुड के कॉस्मेटिक सर्जन फेल

पाकिस्तानी मंत्री मरियम औरंगजेब का बदला रूप देखकर लोग हैरान

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान की सत्तारूढ़ पार्टी PML-N की सीनियर नेता मरियम औरंगजेब इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। वजह है लाहौर में हुई शादी में उनका बदला हुआ लुक। यह शादी पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के नाती और मरियम नवाज के बेटे जुनैद सफदर की थी। मरियम औरंगजेब यहां मेहमान के तौर पर शामिल हुई थीं। जुनैद सफदर की शादी शंजे अली रोहैल से लाहौर में धूमधाम से हुई थी। हालांकि, शादी से ज्यादा चर्चा मरियम औरंगजेब की तस्वीरों को लेकर हुई। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों में मरियम औरंगजेब पहले के मुकाबले ज्यादा स्लिम, शार्प फेस फीचर्स और बदले हुए लुक में नजर आईं। कई

यूजर्स ने उनके ग्लो और फिटनेस की तारीफ की। कई लोगों उनके लुक में आए बदलाव को लेकर सवाल भी उठाए। यूजर्स ने यह अटकलें भी लगाईं कि मरियम औरंगजेब ने कॉस्मेटिक सर्जरी करवाई हो सकती है। कॉस्मेटिक सर्जरी एक मेडिकल प्रक्रिया होती है, जिसमें किसी व्यक्ति के चेहरे या शरीर की बनावट और दिखावट (को बेहतर या बदलने के लिए इलाज किया जाता है। इसका मकसद बीमारी का इलाज नहीं, बल्कि लुक में बदलाव या सुधार करना होता है। 45 वर्षीय मरियम औरंगजेब 2013 से पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज से जुड़ी हुई हैं। वह इस समय पंजाब सरकार में सीनियर मंत्री हैं। उनके पास सूचना, पर्यावरण संरक्षण, योजना, वन, मत्स्य पालन, वन्यजीव और विशेष पहलों जैसे अहम विभाग हैं। ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें पर्यटन, पुरातत्व और संग्रहालयों का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। यह मामला इसलिए भी अहम था क्योंकि जांग सोंग-थैक कभी उत्तर कोरिया के सबसे ताकतवर नेताओं में गिने जाते थे।

■ तस्वीर में मरियम औरंगजेब (बीच में) एक सुनहरे रंग की ड्रेस में नजर आ रही है।

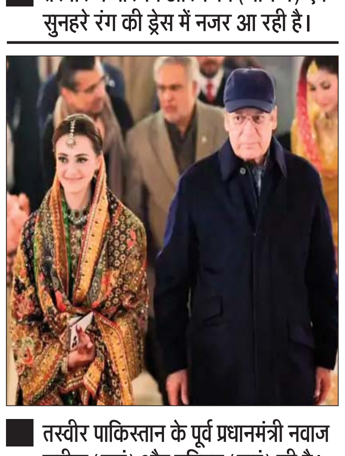

■ तस्वीर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ (दाएं) और मरियम (बाएं) की है।

नोबेल सरकार नहीं, कमेटी देती है : जोनास गाहर स्टोर

वॉशिंगटन। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोर ने सोमवार को ट्रम्प का लेटर मिलने की पुष्टि की। इसके बाद बयान जारी कर उन्होंने साफ किया कि नोबेल शांति पुरस्कार नॉर्वे सरकार नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र नोबेल कमेटी देती है। सरकार का इसमें कोई रोल नहीं है। दरअसल, ट्रम्प ने गाहर स्टोर को नोबेल नहीं मिलने को लेकर एक शिकायती चिट्ठी लिखी थी। इसमें उन्होंने ग्रीनलैंड को अमेरिका में मिलाने की बात कही थी। ट्रम्प ने सोमवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वो अब नोबेल के बारे में नहीं सोचते। ट्रम्प ने कहा कि शांति जरूरी है, लेकिन अब वह यह भी सोचेंगे कि अमेरिका के हित में क्या सही है। ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की उनकी कोशिश की एक वजह नोबेल शांति पुरस्कार न मिलना भी है। इसकी वजह से उनके फैसले पर भी असर पड़ रहा है। ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा कि अगर किसी को लगता है कि नॉर्वे नोबेल प्राइज को कंट्रोल नहीं करता है, तो यह मजाक है। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि नॉर्वे क्या कहा रहा है। मैं बस लोगों की जिंदगी बचाने के बारे में सोचता हूं।

एशिया मैन्युफैक्चरिंग इंडेक्स 2026 में भारत 6वें नंबर पर

चीन नंबर-1 पर कायम, भारत को इंफ्रा और टैक्स में सुधार की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

एशिया के मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में उभरने की भारत की कोशिशों को थोड़ा धीमा रिस्पॉन्स मिला है। एशिया मैन्युफैक्चरिंग इंडेक्स (AMI) 2026 की रिपोर्ट में भारत 11 प्रमुख एशियाई देशों की लिस्ट में 6वें नंबर पर है। 2024 की रिपोर्ट में भारत 8 देशों में चौथे नंबर पर था, लेकिन पिछले साल से यह छठे पायदान पर स्थिर बना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनने के लिए अपने इन्फ्रास्ट्रक्चर और टैक्स नियमों में और ज्यादा सुधार करने की जरूरत है। इंडेक्स के मुताबिक, चीन अभी भी एशिया में मैन्युफैक्चरिंग के मामले में दुनिया की पहली पसंद बना हुआ है। वहीं मलेशिया ने इस बार बड़ी

कामयाबी हासिल की है। मलेशिया ने वियतनाम को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल किया है। वियतनाम तीसरे, सिंगापुर चौथे और दक्षिण कोरिया 5वें नंबर पर है। भारत इन देशों से पीछे छठे स्थान पर है, जबकि इंडोनेशिया 7वें और थाईलैंड 8वें नंबर पर है। यह रिपोर्ट डिजन शिरा एंड एसोसिएट्स ने जारी की है। इसमें किसी भी देश की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को 8 मुख्य आधारों पर परखा गया है। इनमें इकोनॉमी, पॉलिटिकल रिस्क, बिजनेस एनवायरनमेंट, इंटरनेशनल ट्रेड, टैक्स पॉलिसी, इन्फ्रास्ट्रक्चर, लेबर फोर्स और एनवायरनमेंट-सोशल-गवर्नेंस (ESG) शामिल हैं। भारत का लक्ष्य वित्त वर्ष 2026 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की मैन्युफैक्चरिंग इकोनॉमी बनने का है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि भारत को केवल लेबर की उपलब्धता पर निर्भर रहने के बजाय स्किल डेवलपमेंट और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान देना होगा। अगर भारत अपनी लॉजिस्टिक्स लागत को कम कर लेता है, तो वह अगले कुछ वर्षों में वियतनाम और मलेशिया को कड़ी टक्कर दे सकता है।

हजरतगंज चौराहे पर डायवर्जन से लखनऊ जाम

कैंट और कैसरबाग इलाके में वाहनों की लंबी कतार, गाड़ियां छोड़ पैदल गए स्कूली बच्चे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में चल रहे 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों और 62वें विधानसभाओं/विधान परिषदों के सचिवों के सम्मेलन के चलते शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गई है। सम्मेलन के मद्देनजर हजरतगंज क्षेत्र में किए गए व्यापक ट्रैफिक डायवर्जन का सीधा असर आम लोगों की दिनचर्या पर पड़ा, जिससे शहर के कई प्रमुख इलाकों में घंटों जाम की स्थिति बनी रही। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली छात्रों, अभिभावकों और रोजमर्रा के यात्रियों को झेलनी पड़ी। सम्मेलन के कारण हजरतगंज इलाके में यातायात प्रतिबंध लगाए गए, जिसके चलते कैसरबाग, उसके आसपास के इलाकों और कैंट सदर क्षेत्र में लंबा जाम लग गया। सुबह से ही इन क्षेत्रों में वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। हजरतगंज चौराहे से सिविल अस्पताल और मुख्यमंत्री आवास की ओर जाने वाली सड़कों पर भी भीषण जाम लग गया, जिससे लोगों को एक से दो घंटे तक फंसे रहना पड़ा। ट्रैफिक जाम का सबसे ज्यादा असर स्कूली छात्रों पर पड़ा। कई स्कूल वाहन जाम में फंसे रहे, जिससे छात्रों को समय पर स्कूल पहुंचने में भारी दिक्कत हुई।

इमरजेंसी सेवाओं को राहत

ट्रैफिक पुलिस ने स्पष्ट किया है कि विधान भवन में कार्यक्रम के दौरान आम यातायात के लिए तय किए गए डायवर्जन मार्ग लागू रहेंगे। हालांकि, किसी भी आपात स्थिति में राहत दी जाएगी। यदि किसी व्यक्ति को तत्काल चिकित्सा सहायता की आवश्यकता हो और कोई वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध न हो, फायर ब्रिगेड और शव वाहन को ट्रैफिक या स्थानीय पुलिस की अनुमति से प्रतिबंधित मार्ग से भी गुजरने की इजाजत दी जाएगी। इसके लिए ट्रैफिक कंट्रोल नंबर 9454405155 जारी किया गया है, जिस पर संपर्क कर सहायता ली जा सकती है।

शहर में घंटों चले जाम के कारण आम लोगों में नाराजगी देखने को मिली। ऑफिस जाने वाले कर्मचारियों, व्यापारियों और मरीजों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लोगों का कहना है कि बड़े आयोजनों के दौरान ट्रैफिक डायवर्जन की जानकारी समय रहते और व्यापक स्तर पर दी जानी चाहिए, ताकि लोग वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल कर सकें।

हजरतगंज में डायवर्जन से बढ़ा वाहनों का दबाव

शहर का मुख्य चौराहा हजरतगंज है। यहां पर किए गए डायवर्जन के बाद वैकल्पिक मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया। इसके बाद प्रभात सिनेमा के आसपास, कैंट मॉल एवेन्यू समेत कैसरबाग, गोलागंज में जाम लग गया। खासतौर पर कैंट माल एवेन्यू न्यू और सदर फ्लाईओवर के पास जाम की स्थिति बन गई।

गोमतीनगर से डिब्रूगढ़ के लिए रवाना हुई अमृत भारत एक्सप्रेस

पूर्वोत्तर भारत से सीधा जुड़ा लखनऊ, दर्जनों स्टेशनों से गुजरेगी ट्रेन

- गोमती नगर स्टेशन पर इस रेल सेवा को लेकर प्रचार-प्रसार किया गया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के गोमतीनगर रेलवे स्टेशन से आज दोपहर 1:00 बजे अमृत भारत एक्सप्रेस मां कामाख्या होते हुए डिब्रूगढ़ के लिए रवाना हुई। यह ट्रेन उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और असम के प्रमुख स्टेशनों से गुजरते हुए पूर्वोत्तर भारत तक सीधी रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराएगी। गोमतीनगर से चलने के बाद अमृत भारत एक्सप्रेस अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम, मनकापुर, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया, नौगछिया, कटिहार, बारसोई, किशनगंज, अलुआबाड़ी रोड, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू कूचबिहार, न्यू अलीपुरद्वार, कोकराझार, न्यू बोंगाईगांव, बारपेटा रोड, नलबाड़ी, रंगिया, कामाख्या, गुवाहाटी, जागी रोड, चापरमुख, होजई, लम्डिंग, दीफू, दीमापुर, फरकाटिंग, मरियानी, सिमालगुड़ी, मोराणहाट होते हुए अंत में डिब्रूगढ़ पहुंचेगी। असम के रहने वाले शरद ने बताया कि हम लखनऊ से अपनी तैयारी कर रहे हैं। अभी अपने घर असम जा रहे हैं। इस ट्रेन में काफी शानदार व्यवस्था है। साफ-सफाई भी बहुत अच्छी है। सिक्योरिटी पर्पज से कैमरे भी लगाए गए हैं।

पूर्वोत्तर से उत्तर भारत की दूरी होगी आसान

पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज सिंह ने बताया कि इस नई अमृत भारत एक्सप्रेस के संचालन से लखनऊ और आसपास के इलाकों के यात्रियों को असम और पूर्वोत्तर राज्यों तक सीधी, तेज और सुरक्षित रेल सेवा मिलेगी। ट्रेन को आधुनिक सुरक्षा मानकों और बेहतर यात्री सुविधाओं के साथ चलाया जा रहा है, जिससे लंबी दूरी की यात्रा अधिक सुविधाजनक होगी।

फास्ट न्यूज

दिल्ली पुलिस भर्ती परीक्षा में हंगामा

कानपुर। कानपुर में मंगलवार को दिल्ली पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान जमकर हंगामा हुआ। सर्वर फॉल्ट के चलते सुबह पहली शिफ्ट की परीक्षा रद्द कर दी गई। इससे नाराज अभ्यर्थियों ने कॉलेज परिसर में तोड़फोड़ कर दी। सर्वर रूम में घुसकर छात्रों ने कंप्यूटर, कांच, दरवाजे, कुर्सियां, वायर तोड़ दिए नाराज छात्रों ने बताया- पहली शिफ्ट की परीक्षा सुबह 9 बजे से थी।

कुएं में 10 साल के बच्चे की गिरकर मौत

आगरा। आगरा में नानी की साड़ी बांधकर साइकिल निकालने कुएं में उतरे 10 साल के बच्चे की गिरकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बच्चे की डेडबॉडी 24 घंटे बाद कुएं से निकाली। इस दौरान उसकी कमर में साड़ी बंधी हुई थी। शव मिलने पर परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। बताया गया कि साथियों के बहकावे में आकर वह साइकिल निकालने के लिए कुएं में उतरा था। पूरा मामला बाह तहसील के बसौनी की है। बसौनी के पुरोहितनपुरा के रहने वाले मामा रामधुन ने बताया- मेरी बहन का बेटा सनी मेरे घर पर ही रहकर पढ़ाई करता है। उसके पापा-मम्मी बाह के पार्वतीपुरा में रहते हैं। सनी रविवार की दोपहर में घर से निकला था। लेकिन वो शाम तक घर नहीं लौटा। इसके बाद परिवार के लोगों को चिंता हुई।

मंत्री सचान के बंद कॉलेज में बच्ची की लाश मिली

कानपुर। कानपुर में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान के बंद पड़े डिग्री कॉलेज में 9 साल की बच्ची की लाश मिली है। बच्ची क्लासरूम में दुपट्टे के फंदे से लटकी हुई थी। कमरे में टीवी चल रही थी। चौकीदार ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। फोरेंसिक टीम ने सबूत जुटाए। बाबा बैजनाथ डिग्री कॉलेज 2016 से बंद है।बच्ची नानी के साथ इसी कॉलेज में रहती थी। घटना के बाद से नानी फरार है। वैष्णवी उर्फ रानी प्राइमरी स्कूल में क्लास-2 में पढ़ती थी।

अपर्णा यादव के घर के बाहर सन्नाटा छाया

चंद कदम पर सपा ऑफिस में सांसदों की मीटिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। अखिलेश यादव के सौतेले भाई प्रतीक के इंस्टाग्राम पर अपनी पत्नी अपर्णा के खिलाफ किए गए पोस्ट 24 घंटे बाद भी लगे हुए हैं। वहीं, इन 2 पोस्ट के बाद से अपर्णा के घर के बाहर सन्नाटा छाया है। घर पर उनके मुख्य सुरक्षा अधिकारी मौजूद हैं, इससे कयास लगाए जा रहे हैं कि अपर्णा घर के अंदर ही हैं। घर से चंद कदम दूर पर स्थित सपा ऑफिस में पार्टी के सांसदों की बैठक भी चल रही है। प्रतीक यादव के दोनों इंस्टाग्राम पोस्ट पर कुल 54 हजार से ज्यादा लाइक और करीब 2 हजार कॉमेंट आ चुके हैं। यादव सरनेम वाले यूजर्स उनके इस पोस्ट को सही ठहरा रहे हैं। वहीं, नगीना सांसद चंद्रशेखर रावण की गर्लफ्रेंड रोहिणी घावरी ने एक्स पर प्रतीक यादव को अंधा लिखा है। पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक, प्रतीक ने खुलेआम तलाक का ऐलान जरूर किया

लेकिन, दोनों के रिश्तों में खटास 3 साल पहले यानी 2022 से आ गई थी, जब प्रतीक की मर्जी के खिलाफ अपर्णा ने अचानक भाजपा जॉइन कर ली थी। प्रतीक ने 5 फरवरी 2025 को भी अपर्णा के खिलाफ सोशल मीडिया पर 3 पोस्ट किए थे, लेकिन बाद में उसे डिलीट कर दिया। उन्होंने लिखा था- प्रतीक की इंस्टाग्राम पोस्ट के बाद अपर्णा और प्रतीक किसी का फोन नहीं उठा रहे हैं। संवाददाता ने अपर्णा के भाई को कॉल किया तो उन्होंने कहा- हो सकता है अकाउंट हैक हुआ हो।

आप नेताओं को पुलिस ने घसीटा

टांगकर बस में बैठाया, मणिकर्णिका घाट मंदिर मामले में विरोध प्रदर्शन

- आप नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पैदल मार्च करके सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।
- आप नेताओं और कार्यकर्ताओं की पुलिस से तीखी नोकझोंक हुई।
- पुलिस आप नेताओं और कार्यकर्ताओं को टांगकर बस में बैठाया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। काशी के मणिकर्णिका घाट पर प्राचीन मंदिरों को तोड़े जाने के विरोध में आम आदमी पार्टी ने लखनऊ में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस से उनकी तीखी नोकझोंक हुई। पुलिस ने आप नेताओं और कार्यकर्ताओं को घसीट और टांगकर बस में बैठाया। उन्हें ईको गार्डन ले गए। पार्टी के जिला महासचिव ज्ञान सिंह कुशवाहा ने बताया कि यह सरकार हमारे इतिहास को मिटाना चाहती है। सरकार पुराने मंदिरों को मिटा रही है। हमारी संस्कृति पर सीधे तौर पर यह हमला कर रही है। यह सरकार अपना नया साम्राज्य गढ़ रही है। यह पूरी तरीके से हिंदू विरोधी सरकार है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी सांसद संजय सिंह के निर्देश पर जिला पदाधिकारियों ने यह प्रदर्शन किया। AAP का कहना है कि यह मामला केवल निर्माण या विकास का नहीं, बल्कि आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के सम्मान से जुड़ा है। पार्टी ने आरोप लगाया कि विकास के नाम पर धार्मिक स्थलों से की गई छेड़छाड़ स्वीकार्य नहीं है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय कराई जाएगी। पार्टी नेताओं ने कहा कि मणिकर्णिका घाट काशी की पहचान और सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण प्रतीक है। यहां मौजूद प्राचीन मंदिरों के साथ किसी भी तरह की तोड़फोड़ से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। AAP ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

निकाह के लिए मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक

कहा- लड़की मैंने देख ली है, निकाह करा दो

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। लखनऊ में एक युवक एक लड़की से निकाह कराने की जिद लेकर 150 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ गया। वहां से लड़की का नाम लेकर चिल्लाने लगा कि उससे मेरा निकाह करा दो। युवक के टावर पर चढ़ने की सूचना पर पुलिस पहुंच गई। पुलिसवाले उसे समझाने लगे, लेकिन वह उतर नहीं रहा था। घटना पीजीआई कैंपस की है। मंगलवार सुबह इरशाद खान नाम का युवक मोबाइल फोन टावर पर चढ़ गया। पहुंची पुलिस ने एहतियातन टावर के आसपास के क्षेत्र को घेर लिया। लोगों को वहां जाने से रोका। यह ड्रामा देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस करीब 1 घंटे तक उसे समझाती रही। युवक PGI इलाके में रहता है। PGI कैंपस सहित आसपास के गांवों में वह जंगली जीवों का रेस्क्यू करता है। वह कई बार कैंपस के अंदर ही निकले अजगर, बिज्जू आदि का रेस्क्यू कर चुका है। पिछले साल अस्पताल परिसर में ही अजगर निकला था जिसे इरशाद ने रेस्क्यू किया था। अजगर करीब 10 फीट लंबा था। इसी 4 जनवरी को PGI के पल्मोनरी वार्ड बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर स्थित वेटिंग हॉल में जंगली बिल्ली (बिज्जू) दिखी थी। उसे पकड़ने के लिए लोगों ने इरशाद को बुलाया था। इरशाद ने बिल्ली को बिना किसी नुकसान के सुरक्षित पकड़ लिया।

इरशाद खान

बैंक मित्र का सहयोगी भी गिरफ्तार

बैलेंस चेक कराने के लिए ब्रांच में लगी भीड़, कई लोगों के खाते से रुपए गायब

- शिवा राव के बैंक अधिकारियों से अच्छे संपर्क थे। मैनेजर के केबिन में बिना रोकटोक आता-जाता था।
- लोगों का आक्रोश एक बार फिर फूटा। 16 तारीख को फिर से बैंक में हंगामा किया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में लोगों की फर्जी FD करने वाले बैंक मित्र का सहयोगी भी गिरफ्तार हो गया है। वह बैंक ब्रांच में सबको चाय पिलाता था। यहीं से उसकी बैंक अधिकारियों से जान-पहचान हुई। उसने बैंक मित्र शिवा का सहयोग किया। लोगों की FD उसी से करवाई। शिवा ने इन हड़पे पैसों से राजाजीपुरम में आलीशान घर बनवा रखा है। मामला पारा थाना क्षेत्र के डॉ. शकुंतला मिश्रा यूनिवर्सिटी स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की ब्रांच का है। कई लोगों के रुपए खाते से गायब होने और फर्जी FD की सूचना मिलने के बाद ब्रांच में सभी खाताधारक लगातार पहुंच रहे हैं। मंगलवार को यहां भीड़ देखने को मिली। अपने लाइन में लगकर केवल अपना बैलेंस चेक करवा रहे हैं। पारा पुलिस ने बैंक मित्र शिवा को 19 जनवरी को गिरफ्तार किया था। उसका सहयोगी रहा पूर्व सिक्योरिटी गार्ड भी पकड़ा गया। वह सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी जाने के बाद ब्रांच में सबको चाय पिलाने लगा था। उससे 2.38 लाख रुपए नकद और बैंक से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि मुख्य आरोपी शिवा ने करीब डेढ़ करोड़ रुपए का आलीशान मकान बना रखा है, जिसकी जांच अब तेज कर दी गई है। पारा थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुरेश सिंह के मुताबिक, शकुंतला विश्वविद्यालय परिसर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में शिवा राव बैंक मित्र के तौर पर काम करता था। करीब 2 दर्जन लोगों ने 12 जनवरी को बैंक परिसर में आकर हंगामा कर दिया था। उसके बाद पारा थाने में लिखित शिकायत भी दी थी। उसके बाद पुलिस ने FIR दर्ज करते हुए शिवा को बैंक से ही गिरफ्तार कर लिया गया। उसके सहयोगी दुबग्गा के दौलतखेड़ा के दिलीप कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया गया। दिलीप बैंक परिसर के एटीएम बूथ में सिक्योरिटी गार्ड था। 2019 में नौकरी से हटाए जाने के बाद भी दिलीप बैंक परिसर में चाय पिलाने और बैंक खोलने-बंद करने जैसे काम करता रहा। इसी दौरान दोनों ने मिलकर ठगी की साजिश रची पुलिस के अनुसार, वर्ष 2020 से शिवा ने ग्राहकों को जाली एफडी देना शुरू कर दिया।

शिवा राव — बैंक मित्र | दिलीप कुमार — फर्जीवाड़े में सहयोगी

कार्यवाई : मां रोने लगी, बोली- फांसी हो, 26 महीने पहले बर्थडे पर रची मर्डर की कहानी

कुशाग्र हत्याकांड : ट्यूशन टीचर-प्रेमी और दोस्त दोषी करार

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में 16 साल के कुशाग्र कनोडिया की किडनैपिंग और हत्या के मामले में मंगलवार को अदालत ने तीनों आरोपियों को दोषी करार दिया। अपर जिला जज 11 सुभाष सिंह की अदालत ने तय किया कि ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, प्रेमी प्रभात शुक्ला और उसके दोस्त आर्यन ने मिलकर कुशाग्र की हत्या की थी। अदालत में जज की इन बातों को सुनकर कुशाग्र की मां बेटे को याद कर रोने लगीं। बोलीं- बेटे के हत्यारों को फांसी हो। 30 अक्टूबर 2023 को हाईस्कूल के छात्र कुशाग्र कनोडिया की कोचिंग जाते समय अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। इस हत्या में ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसके प्रेमी प्रभात शुक्ला और सहयोगी शिवा गुप्ता को गिरफ्तार किया गया था। पूरे मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से 14 गवाह पेश किए गए । 13 जनवरी को आखिरी सुनवाई हुई थी। अब 22 जनवरी को कोर्ट फैसला सुनाएगी। आचार्य नगर निवासी कपड़ा कारोबारी मनीष कनोडिया का बेटा जयपुरिया में हाईस्कूल में पढ़ने वाला कुशाग्र 30 अक्टूबर की शाम 4 बजे स्कूटी से कोचिंग के लिए निकलता है। रास्ते में उसे ट्यूशन टीचर रचिता वत्स का प्रेमी प्रभात मिल जाता है। वह उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। इसके बाद दोनों ओमनगर में इंद्र कुटी हाता स्थित प्रभात के घर पहुंचे। प्रभात आगे-आगे चल रहा था, उसके पीछे-पीछे हेलमेट पहने कुशाग्र जा रहा था। इसी के बगल वाले कमरे में रचिता रुकी थी, जब कुशाग्र प्रभात के घर पहुंचा, तो रचिता भी वहां आ गई।

> **गार्ड राजेंद्र ने कुशाग्र की मां सोनिया कनोडिया को बताया कि स्कूटी रचिता की थी, जिस पर परिजन रचिता के घर पहुंचे, जहां वो घबराई हुई बाहर आई। बोली कि मैंने कुछ नहीं किया भाभी इस पर परिजनों ने स्कूटी के बारे में पूछा। रचिता ने कहा- मेरी स्कूटी प्रभात लेकर गया था।**

स्कूटी रचिता की थी, घर पहुंचे कुशाग्र के परिजन

परिजन पुलिस के साथ इंद्रकुटी हाता पहुंचे, तलाशी ली गई, जहां प्रभात के घर के बाहर बने कमरे से कुशाग्र की डेड बॉडी बरामद की गई थी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को लेकर सख्ती से पूछताछ की। रचिता ने बताया कि उसे प्रभात से शादी करनी थी। पैसों की जरूरत थी, जिस कारण उसने कुशाग्र के अपहरण की योजना बनाई थी। अपहरण की फिरौती से अमीर बनना था।

पृष्ठ 01 का शेष...

45 साल के नितिन नबीन ...

जेपी नड्डा ने कहा, 'मैं नितिन जी को शुभकामनाएं देता हूं। अटल जी, कुशाभाऊ की परंपरा को आगे बढ़ाने उन्हें 12वां अध्यक्ष बनाया गया है। नितिन जी बहुत ही छोटी उम्र में 5 बार विधायक रह चुके हैं। आपने सारे देश को समझा है। ऐसे नौजवान अध्यक्ष के रूप में आपने कार्यभार संभाला है। आपको बधाई। आप पार्टी को तेज गति से आगे ले जाएंगे। इसके लिए शुभकामनाएं देता हूं। मैं सभी को धन्यवाद देता हूं क्योंकि आप सभी ने पार्टी को चलाने के लिए मेरे साथ मिलकर काम किया। मुझे ताकत दी। जमीनी स्तर पर जो सहयोग उसका धन्यवाद।' BJP के प्रेसिडेंट नितिन नबीन को केंद्र सरकार ने Z-कैटेगरी की सुरक्षा दे दी है। यह ऐलान मंगलवार सुबह उनके कार्यभार संभालने के पहले किया गया। जेपी नड्डा को भी सरकार से इसी तरह का सुरक्षा कवर मिला था, जिसमें CRPF VIP सुरक्षा विंग व्यवस्था संभाल रही थी।

हमारी टिप्पणियां मजाक नहीं...

कि आपकी मुवक्किल (मेनका गांधी) किस तरह के बयान दे रही हैं? उनके पॉडकास्ट और बॉडी लैंग्वेज तक पर सवाल उठते हैं। कोर्ट ने कहा कि मेनका गांधी ने अदालत के आदेशों को लेकर बिना सोचे-समझे टिप्पणियां की हैं, जो अवमानना के दायरे में आती हैं। हालांकि बेंच अपनी उदारता के चलते कोई कार्यवाही शुरू नहीं कर रही है। जस्टिस संदीप मेहता ने सवाल किया कि जब मेनका गांधी केंद्रीय मंत्री थीं, तब उन्होंने आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए किस तरह का बजटीय प्रावधान तय किया। इस पर रामचंद्रन ने कहा- बजट नीति का विषय है। उन्होंने अजमल कसाब जैसे मामलों में भी पैरवी की है। रामचंद्रन की टिप्पणी पर जस्टिस विक्रम नाथ ने सख्त लहजे में कहा- अजमल कसाब ने अदालत की अवमानना नहीं की थी, लेकिन आपकी मुवक्किल ने की है। मेरा कहना है कि इलाज से बेहतर रोकथाम है। हम जानवरों को नहीं, इंसानों को शिक्षित कर सकते हैं। बचपन से ही लोगों को यह सिखाया जा सकता है कि ऐसी स्थितियों से कैसे निपटना है। मेरी मुवक्किल एक बाल अधिकार कार्यकर्ता हैं और वकील भी। किसी बच्चे के साथ हर डॉग बाइट की घटना में राज्य की जिम्मेदारी निभाने में चूक साफ दिखाई देती है।

अविमुक्तेश्वरानंद से प्रशासन...

मामले में अब तक कोई नया आदेश नहीं आया है। केस अभी भी कोर्ट में लंबित है। बावजूद इसके माघ मेले के दौरान अविमुक्तेश्वरानंद ने अपने शिविर में लगे बोर्ड पर खुद को "ज्योतिषपीठ का शंकराचार्य" लिखा है। इस कृत्य से सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना हुई है। 24 घंटे में बताएं कि खुद को शंकराचार्य कैसे लिख रहे हैं।सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- शंकराचार्य वो होता है जिसे बाकी 3 पीठ शंकराचार्य कहते हैं। 2 पीठ हमें शंकराचार्य कहते हैं। पिछले माघ मेले में हमको साथ लेकर स्नान कर चुके हैं। अब आपको किस प्रमाण की जरूरत हैं। क्या ये प्रशासन तय करेगा कि हम शंकराचार्य हैं या नहीं। भारत के राष्ट्रपति को भी अधिकार नहीं है कि वो तय करे कि कौन शंकराचार्य होगा। शंकराचार्य का निर्णय शंकराचार्य करेगा पुरी के शंकराचार्य ने हमारे बारे में कुछ नहीं कहा। वो साइलेंट हैं। हम निर्विवाद रूप से ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य हैं। अगर कोई कहता है कि मैं ज्योतिषपीठ का शंकराचार्य हूं तो आकर बात करे। इधर, शंकराचार्य अड़े हैं कि जब तक प्रशासन माफी नहीं मांगेगा, तब तक वे आश्रम में प्रवेश नहीं करेंगे। उन्होंने कल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था- हर मेले में प्रयागराज आऊंगा, लेकिन शिविर में नहीं, फुटपाथ पर रहूंगा।

भीड़ ने घरों-चौकी में आग...

कार में बोडो समुदाय के तीन लोग सवार थे।हादसे के बाद कार सवार लोगों को आस-पास के आदिवासी ग्रामीणों ने पीटा और गाड़ी में आग लगा दी। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, फायर और इमरजेंसी सर्विसेज की टीम मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। हालांकि, कोकराझार और आसपास के इलाकों में अब भी तनाव का माहौल है। पुलिस ने कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कोकराझार में बढ़ते तनाव पर क्षेत्र के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने सामान्य स्थिति बहाल करने में तेजी लाने के लिए सामुदायिक और राजनीतिक नेताओं से पूरे सहयोग का आग्रह किया। इसी दौरान विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया था। गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद (केएएसी) के मुख्य कार्यकारी सदस्य और बीजेपी नेता तुलिराम रोंगहांग के डोंकामुकाम स्थित पैतृक घर में आग लगा दी और जमकर पथराव किया था। खेरोनी बाजार की करीब 15 दुकानों को आग लगा दी था। झड़प में एक पुलिसकर्मी समेत चार लोग घायल हुए थे। वहीं दूसरे दिन खेरोनी बाजार इलाके में प्रदर्शनकारियों के दो गुट आमने-सामने आ गए, जिसके बाद पथराव शुरू हो गया था। इस दौरान दो लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 38 पुलिसकर्मियों समेत कुल 45 लोग घायल हुए थे। डॉक्टरों के अनुसार, प्रभात ब्रह्मा की हालत नाजुक बनी हुई है।

यूपी में टीईटी-टीजीटी...

परीक्षा कैलेंडर जारी होने के बाद लाखों अभ्यर्थियों को अपनी तैयारी को अंतिम रूप देने का मौका मिल गया है। लंबे समय से भर्ती प्रक्रिया का इंतजार कर रहे उम्मीदवारों में इस घोषणा के बाद उत्साह देखा जा रहा है। आयोग ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे किसी भी अपडेट के लिए केवल आधिकारिक वेबसाइट पर ही भरोसा करें। इसके पहले यूपी टीईटी की परीक्षा 28 नवंबर 2021 को लीक हो जाने के कारण निरस्त कर दी गई थी। काफी जद्दोजहद के बाद यह परीक्षा 21 जनवरी 2022 को कराई गई थी। इसके बाद से अभी तक यह परीक्षा नहीं हो सकी थी। बड़ी संख्या में अभ्यर्थी इस परीक्षा के इंतजार में हैं। आयोग ने कुछ महीने पहले ही 29 और 30 जनवरी 2025 को इस परीक्षा कराने की तिथि घोषित कर दी। लेकिन आयोग की अध्यक्ष रहीं प्रो. कीर्ति पांडेय ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। नए अध्यक्ष की नियुक्ति में समय लगने के कारण यह परीक्षा फिर से फंस गई।

परिवार के 4 लोगों की हत्याकर जान दी

पत्नी, दो बेटे और मां के माथे पर गोली मारी

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर में सरकारी अमीन ने पत्नी, दो बेटों और मां के माथे में गोली मारकर हत्या कर दी। फिर खुद के सीने और माथे पर गोली मारकर सुसाइड कर लिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने अपनी बहन को एक मैसेज और ऑडियो क्लिप भेजी। इसमें उसने कहा- वह परिवार की हत्या कर चुका है। अब खुद भी जान देने जा रहा है। पति और पत्नी का शव चारपाई पर, जबकि मां और दोनों बच्चों के शव बेड पर पड़े थे। अमीन के पास तीन तमंचे पड़े मिले। वारदात का पता उस वक्त चला, जब बहनोई ने कई बार कॉल किया। फोन नहीं उठा तो उसने बेटे को घर भेजा। बेटे ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद खिड़की तोड़कर अंदर गया, जहां सभी के शव पड़े मिले। सूचना पर डीएम मनीष बंसल और SSP आशीष तिवारी मौके पर पहुंचे। आसपास के लोगों से पूछताछ में पता चला कि सिंचाई विभाग में तैनात अमीन अशोक डिप्रेशन में था। चंडीगढ़ में उसका इलाज चल रहा था। SSP का कहना है कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि अमीन ने पहले परिवार के लोगों को गोली मारी और फिर खुद को गोली मार ली। मृतकों में अमीन अशोक राठौर (40), पत्नी अंजिता (37), मां विद्यावती (70) और दो बेटे कार्तिक (16) और देव (13) शामिल हैं।

अमीन अशोक | कार्तिक | देव

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं। मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676